RNI No. DELHI/2014/56101

वर्ष : 12 अंक : 241

● नई दिल्ली, शनिवार

30 अगस्त 2025

मूल्य : 01 रुपए पृष्ठ : 08

# वेब वार्ता

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हर संघर्ष में आपके साथ

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर

www.webvarta.in

twitter.com/webvarta

www.facebook.com/webvarta

## बेंगलुरु में दहेज से परेशान प्रेग्नेंट इंजीनियर ने खुदकुशी की

**बेंगलुरु।** सुड्डागुंटेपल्या में 27 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर शिल्पा पंचांगमठ अपने घर में फंदे से लटकी हुई मिली। मौत के समय वह प्रेग्नेंट थी। उसका एक 2 साल का बेटा भी है। मृतक की मां ने पति और सास पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने दामाद को करीब 150 ग्राम सोना दिया था। लेकिन वह और पैसों की मांग कर रहे थे। बेंगलुरु पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि उन्हें कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शिल्पा की मां की शिकायत पर पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में प्रवीण को गिरफ्तार कर लिया गया है। बेंगलुरु पुलिस के मुताबिक, शिल्पा की शादी 5 दिसंबर 2022 को गंगावती तालुक के वड्डारहट्टी गांव के प्रवीण से हुई थी। परिवार ने इस शादी पर लगभग 35 लाख रुपए खर्च किए और प्रवीण को 150 ग्राम सोना दिया था। शादी के बाद दोनों बीटीएम लेआउट में रहने लगे। प्रवीण व्हाइटफील्ड में ओरेकल में काम करता। लेकिन शादी के बाद उसने नौकरी छोड़कर पानीपुरी बेचना शुरू कर दिया था। शिल्पा की बहन सौम्या और मां शारदा के मुताबिक वह डेढ़ महीने की प्रेग्नेंट थी।

# हिमाचल के चंबा में लैंडस्लाइड, 11 मौतें

### उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग सहित 4 जिलों में बादल फटा, 5 की जान गई, 3 लापता

**नई दिल्ली।** हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भरमौर में भारी बारिश के बीच मणिमहेश यात्रा पर निकले 11 श्रद्धालुओं की लैंडस्लाइड में मौत हो गई है। मृतकों में 3 पंजाब, 1 उत्तर प्रदेश और 5 चंबा के रहने वाले हैं। दो लोगों की अभी पहचान नहीं हुई है। अधिकारियों के अनुसार, लोगों की मौतें पहाड़ से पत्थर गिरने और ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई है।

भरमौर में करीब 3 हजार मणिमहेश श्रद्धालु फंसे हैं, जिनका रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पिछले सप्ताह लैंडस्लाइड में 7 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। 9 लापता हो गए थे। दूसरी तरफ, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और टिहरी गढ़वाल जिले में गुरुवार रात बादल फटने से 5 लोगों की मौत हो गई। तीन लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि लैंडस्लाइड के कारण लगभग 30-40 परिवार मलबे के ढेर में दब गए और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। NDRF, SDRF, DDRF और पुलिस की टीमें प्रभावित जिलों के लिए रवाना हो गई हैं। बागेश्वर जिले के पौसारी में रात भर बारिश से दो लोगों की मौत हो गई।

रुद्रप्रयाग के जखोली में मकान ढहने से एक महिला की मौत हो गई। 4 नेपाली और 4 स्थानीय सहित 8 मजदूर मलबे में दबे हैं। रुद्रप्रयाग में मलबे में फंसे 70 से ज्यादा लोगों को निकाला गया है। अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का

जलस्तर खतरनाक स्तर पर है। रिहायशी इलाकों में भी पानी घुस गया है। चमोली में भी कई परिवारों के मलबे में फंसे होने की आशंका हैं। पंजाब के 7 जिले, पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, फाजिल्का, कपूरथला का सुल्तानपुर लोधी और होशियारपुर पिछले तीन दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। यहां के 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ के कारण अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। 3 लोग लापता हैं। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली, देहरादून और बागेश्वर जिलों में शुक्रवार दोपहर के बाद भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। दिल्ली एयरपोर्ट ने भारी बारिश के बीच यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है और यात्रा से पहले लोगों को एयरलाइन कंपनियों से अपनी फ्लाइट से जुड़ी जानकारी लेने को कहा है। फिलहाल, दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन जारी है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के बसुकेदार में भारी बारिश के बाद बादल फटने से कई लोग मलबे में फंस गए हैं। लोगों के रेस्क्यू के लिए SDRF की टीमों को बचाव उपकरणों के साथ घटनास्थल पर भेजा गया है। हालांकि, जगह-जगह मलबा होने के कारण बचाव टीमों को प्रभावित गांव तक पहुंचने में मुश्किलें भी आ रही हैं।

# मोदी बोले: दुनिया की नजरें ही नहीं, भरोसा भी भारत पर

### जापानी पीएम ने कहा- भारतीय टैलेंट और जापानी तकनीक एक-दूसरे के लिए बने

पीएम मोदी शुक्रवार को 2 दिन के जापान दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने टोक्यो में भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम की बैठक की संबोधित किया। मोदी ने अपने भाषण में भारत को निवेश के लिए सबसे बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की नजरें ही नहीं, भरोसा भी भारत पर है। मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही नेतृत्व कर सकते हैं। मोदी ने कहा भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। मोदी से पहले जापान के ढट इशिबा ने कहा कि भारतीय टैलेंट और जापानी तकनीक एक-दूसरे के लिए बने है।बतौर प्रधानमंत्री यह मोदी की 8वीं जापान यात्रा है। स्थानीय कलाकारों ने टोक्यो के होटल में उनका गायत्री मंत्र से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात की। पीएम मोदी यहां 15वें भारत-जापान वार्षिक समिट में हिस्सा लेंगे। इस सम्मेलन में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। उन्होंने रवाना होने से पहले सोशल मीडिया पर लिखा कि इस दौरे का मकसद भारत और जापान के बीच खास रणनीतिक और ग्लोबल साझेदारी को मजबूत करना है। जापान के बाद मोदी 31 अगस्त को चीन पहुंचेंगे। टोक्यो में प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत से पहले पीएम मोदी का 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। मोदी ने जापान के स्पीकर फुकुशिरो नुकागा और सांसदों से मुलाकात की। शोरिनजन दारुमा जी मंदिर के मुख्य पुजारी ने मोदी को दारुमा गुड़िया भेंट की। शोरिनजान दारुमा मंदिर जापान के ताकासाकी में स्थित एक छोटा मंदिर है। इसका निर्माण 1697 में जेन बौद्ध धर्म (बौद्ध धर्म का जापानी संप्रदाय ) के ओबाकू संप्रदाय ने किया था। ताकासाकी को दारुमा (जापान की पारंपरिक गुड़िया) का जन्मस्थान माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि गुड़ियों की उत्पत्ति कई साल पहले इसी जगह से हुई थी। जापानी मल्टीनेशनल बैंकिंग के भारत डिवीजन के प्रमुख, राजीव खन्ना ने पीएम मोदी की जापान यात्रा पर कहा कि मोदी जापानी लोगों और उसकी कंपनियों से परिचित हैं। इस दौरे में व्यापार और कारोबार पर ध्यान देना एक बहुत ही सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि जापानी कंपनियों के लिए मौजूदा समय में बाजार की स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है। यहां टैरिफ बढ़ी हैं, और जापान का अपना घरेलू बाजार भी सिकुड़ रहा है। ऐसे में भारत में उत्पादन करके वैश्विक बाजार में सामान बेचना जापानी कंपनियों के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। खास तौर पर ऑटोमोबाइल सेक्टर में अभी और भी बहुत कुछ किया जा सकता है। इसके अलावा, भारत में बड़ी संख्या में बेहतर इंजीनियर्स उपलब्ध हैं, जिनका फायदा उठाकर जापानी कंपनियां सेमीकंडक्टर (इलेक्ट्रॉनिक चिप्स) और हाई-टेक उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती हैं।

## वोट चोरी के सबूत हमारे पास: राहुल गांधी

**पटना।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीवान में आयोजित सभा के दौरान बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी वोट चोरी में शामिल है और अब पकड़ी गई है। राहुल ने दावा किया कि जल्द ही वे हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में चुनावी धांधली के सबूत पेश करेंगे।

'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी अचानक इसलिए उग्र हुई है क्योंकि उनकी चोरी पकड़ ली गई है। सभा के बीच बिजली कटने पर उन्होंने नाराजगी जताई और एनडीए सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

राहुल ने लोगों से मोबाइल फोन की फ्लैशलाइट जलाने की अपील की और यात्रा को मिल रहे समर्थन के लिए जनता का आभार जताया। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री वोट चुराकर चुनाव जीत रहे हैं, लेकिन अब बिहार में ऐसा संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, "पहले सबूत नहीं थे इसलिए हमने खुलकर नहीं कहा, लेकिन अब हमारे पास महाराष्ट्र से मिले सबूत हैं।"

राहुल गांधी ने जनता से वोटों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी, चुनाव आयोग के साथ मिलकर गरीब, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं के वोट चुराने की साजिश कर रही है।वहीं, राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी बीजेपी पर हमला बोला और कहा कि "गलत काम करते हुए पकड़ी जाने पर बीजेपी झूठा प्रचार कर रही है, लेकिन बिहार में कोई उनके जाल में नहीं फंसेगा।" उन्होंने जनता से आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार बदलने की अपील की।

**न्यूज ब्रीफ**

### प्रशिक्षण में घायल अनफिट कैडेट्स को मिलेगी ईसीएचएस सुविधा

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि प्रशिक्षण के दौरान घायल होकर मेडिकल अनफिट हुए कैडेट्स को अब पूर्व सैनिक अंशदान स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के तहत चिकित्सा सुविधा मिलेगी। अब तक ऐसे कैडेट्स को कोई मेडिकल लाभ नहीं मिलता था।

### सात वंदे भारत ट्रेनों में बढ़ेंगे कोच

**नई दिल्ली।** रेलवे बोर्ड ने यात्रियों की बढ़ती संख्या और लंबी प्रतीक्षा सूची को ध्यान में रखते हुए देश की सात प्रमुख वंदे भारत ट्रेनों में कोच बढ़ाने का फैसला किया है। इस निर्णय के तहत कुल 132 अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। तीन ट्रेनों में कोच की संख्या 16 से बढ़ाकर 20 की जाएगी, जिनमें मंगलुरु–तिरुवनंतपुरम, सिकंदराबाद–तिरुपति और चेन्नई एग्मोर–तिरुनेलवेली वंदे भारत शामिल हैं। वहीं, चार ट्रेनों में कोच 8 से बढ़ाकर 16 किए जाएंगे, जिनमें मदुरै–बेंगलुरु कैंट, वाराणसी–देवघर, हावड़ा–राउरकेला और इंदौर–नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। रेलवे के इस कदम से यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी और लंबी वेटिंग लिस्ट की समस्या में भी काफी कमी आएगी।

### दिल्ली आईएसबीटी पर बसों के ठहराव समय बढ़ाने की मांग

**नई दिल्ली।** दिल्ली के अंतरराज्यीय बस अड्डों पर बसों के ठहराव की अवधि 25 मिनट तय किए जाने से यूपी, उत्तराखंड सहित पड़ोसी राज्यों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी को देखते हुए यूपी रोडवेज ने दिल्ली परिवहन विभाग को पत्र भेजकर वेटिंग टाइम को 25 मिनट से बढ़ाकर 40 मिनट करने का अनुरोध किया है।

## बिहार एसआईआर : दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की मांग पर सोमवार को होगी सुनवाई

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद प्रकाशित मसौदा सूची में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने की सहमति दे दी है। राज्य में मुख्य विपक्षी दल राजद और एआईए-मआईएम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मसौदा सूची में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय सीमा 1 सितंबर से आगे बढ़ाकर 15 सिसंबर तक करने की मांग की है। जस्टिस सूर्यकांत, जॉयमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने मामले का उल्लेख किए जाने के बाद कहा कि राजनीतिक दलों की ओर से इस मांग को लेकर दाखिल अर्जियों पर सोमवार को सुनवाई करेगी।

इससे पहले, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण और एआईएमआईएम की ओर से पेश हुए अधिवक्ता निजाम पाशा ने पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। पीठ को बताया गया कि दायर किए गए दावों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में निर्वाचन आयोग को इसकी समय सीमा बढ़ाने की आवश्यकता है। पीठ को बताया गया कि 22 अगस्त के आदेश से पहले 80,000 से अधिक दावे दायर किए गए थे, जबकि आदेश के

बाद अब तक लगभग 95,000 दावे दायर किए जा चुके हैं। की ओर से अधिवक्ता फौज़िया शकील द्वारा दाखिल अर्जी में कहा गया है कि एसआईआर में मतदान केंद्रों की संख्या बढ़कर 90,712 हो गई है और जबकि उनके मुवक्किल (राजद) ने 47,506 मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए हैं, जो कुल मतदान केंद्रों का लगभग 52 प्रतिशत है।

याचिका में कहा गया है कि 22 अगस्त के अदालती आदेश के बाद, आधार कार्ड के साथ दावे बीएलए द्वारा एकत्र किए गए थे और बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा दावों की पावती के बावजूद, दावे दर्ज नहीं किए गए और पार्टी के खिलाफ दैनिक चुनाव आयोग की स्थिति रिपोर्ट में भी नहीं दर्शाए गए, जिससे यह गलत धारणा बन गई कि राजनीतिक दलों के बीएलए सहयोग नहीं कर रहे हैं और दावे दायर नहीं कर रहे हैं।

राजद ने पीठ को बताया है कि शीर्ष अदालत के 22 अगस्त, 2025 के अंतिम आदेश, जिसमें आधार कार्ड के साथ दावे दाखिल करने की अनुमति दी गई थी, के बाद से दावों की संख्या 22 अगस्त, 2025 को 84,305 से दोगुनी होकर 27 अगस्त, 2025 को केवल पांच दिनों में 1,78,948 मतदाता हो गई है।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि कई मामलों में, अधिकारियों ने केवल आधार कार्ड के साथ दावे स्वीकार करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय 24 जून के चुनाव आयोग के आदेश में उल्लिखित 11 दस्तावेजों में से एक पर जोर दिया, जो इस अदालत द्वारा पारित आदेशों की घोर अवहेलना है। राजद ने पीठ से कहा है कि चुनाव आयोग के अपने दैनिक एसआईआर अपडेट से पता चलता है कि दावों की संख्या में वृद्धि हुई है और पिछले सप्ताह एक लाख से अधिक दावे दायर किए गए थे और पिछले दो दिनों में 33,349 दावे दायर किए गए थे।

याचिका में कहा गया है, 'यह स्पष्ट है कि 22 दिनों की अवधि में, यानी 1 अगस्त, 2025 से 22 अगस्त, 2025 तक, मतदाताओं द्वारा सीधे या बिहार राज्य में पंजीकृत 12 राजनीतिक दलों के बीएलए के माध्यम से 84,307 दावे और आपत्तियां दायर की गईं। लेकिन शीर्ष न्यायालय के 22 अगस्त के आदेश के बाद और मात्र पांच दिनों की अवधि में, यानी 27 अगस्त, 2025 तक, मतदाताओं द्वारा सीधे या 12 राजनीतिक दलों के बीएलए के माध्यम से 94,694 दावे और आपत्तियां दायर की जा चुकी हैं।

# भारत-जापान ने दुनिया को दिया स्पष्ट संदेश- एकध्रुवीय दबाव की राजनीति अब टिकाऊ नहीं रही



नीरज कुमार दुबे

**देखा जाये तो अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत तक के टैरिफ ने भारत के कई क्षेत्रों पर दबाव डाला है। किन्तु, टोक्यो में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह दिखा दिया कि भारत अब वैश्विक दबाव से भयभीत नहीं, बल्कि अवसर तलाशने वाला देश है।**



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक कूटनीतिक पड़ाव भर नहीं है। यह यात्रा उस ऐतिहासिक मोड़ का संकेत है जहाँ भारत और जापान मिलकर एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक परिदृश्य को प्रभावित करने वाले साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। टोक्यो में भारत-जापान आर्थिक मंच पर प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपने आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक विकल्पों को लेकर कहीं अधिक आत्मविश्वासी और निर्णायक हो चुका है।

देखा जाये तो अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत तक के टैरिफ ने भारत के कई क्षेत्रों पर दबाव डाला है। किन्तु, टोक्यो में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह दिखा दिया कि भारत अब वैश्विक दबाव से भयभीत नहीं, बल्कि अवसर तलाशने वाला देश है। मोदी ने बिना नाम लिए यह संदेश अमेरिका को दिया कि भारत किसी एक बाजार या शक्ति पर निर्भर नहीं रहेगा। जापान में दिया गया यह भाषण वस्तुतः आर्थिक स्वायत्तता का घोषणापत्र था। सुधार, पारदर्शिता, राजनीतिक स्थिरता और नीति की प्रेडिक्टेबिलिटी पर बल देकर मोदी ने निवेशकों को यह विश्वास दिलाया कि भारत उनके लिए न केवल सुरक्षित, बल्कि लाभकारी गंतव्य है।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका इन दिनों अपने आर्थिक और सामरिक हितों के लिए लगभग हर देश पर दबाव बनाने की नीति पर चल रहा है। कभी वह 50% तक का टैरिफ लगाकर व्यापार को नियंत्रित करता है, तो कभी तकनीकी निर्यात और डॉलर प्रणाली के माध्यम से देशों को अपनी शर्तें मानने पर मजबूर करता है। यह नीति भले ही अमेरिका को अल्पकालिक लाभ दे, लेकिन लंबे समय में यह वैश्विक असंतोष और नए गठबंधनों को जन्म दे रही है। देखा जाये तो 21वीं सदी का एशिया अब केवल 'बाजार' नहीं रह गया है। चीन के बढ़ते प्रभाव, भारत के उदय और जापान की तकनीकी ताकत ने अमेरिका की एकतरफा दबाव नीति को चुनौती दी है। एशिया की यह नई तस्वीर इस सदी को सचमुच 'एशियाई सदी' बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

भारत और जापान के बीच साझेदारी अमेरिकी दबाव का सबसे ठोस जवाब है। जापान की तकनीक और भारत का विशाल बाजार मिलकर वैकल्पिक सप्लाई चेन खड़ा कर सकते हैं। सेमीकंडक्टर, एआई, क्वांटम और न्यूक्लियर ऊर्जा में संयुक्त पहल अमेरिका की तकनीकी पकड़ को संतुलित कर सकती है। इसके अलावा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यह साझेदारी चीन और अमेरिका दोनों के वर्चस्ववादी रुख को संतुलित करेगी।

भारत-जापान का सहयोग दुनिया को यह स्पष्ट संदेश देता है कि एकध्रुवीय दबाव की राजनीति अब टिकाऊ नहीं रही। एशियाई सहयोग ही वैश्विक स्थिरता का आधार बनेगा। साथ ही साझेदारी और सह-समृद्धि का मॉडल, दबाव और एकाधिकार से कहीं अधिक व्यवहार्य है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका जितना दबाव बढ़ाएगा, भारत और जापान जैसे साझेदार उतनी ही मजबूती से वैकल्पिक गठजोड़ खड़े करेंगे। इस साझेदारी में केवल द्विपक्षीय हित ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक संदेश छिपा है– भविष्य दबाव और एकाधिकार का नहीं, बल्कि सहयोग और साझा समृद्धि का है।

भारत-जापान संबंधों की मजबूती की बात करें तो आपको बता दें कि 'जापान टेक्नोलॉजी पावरहाउस है और भारत टैलेंट पावरहाउस' है, यह कह कर प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच भविष्य की साझेदारी का खाका पेश कर दिया है। देखा जाये तो ऑटोमोबाइल सेक्टर में जिस प्रकार जापानी तकनीक और भारतीय बाजार ने सफलता का मॉडल पेश किया, वैसी ही संभावनाएँ अब सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, बैटरियों, शिपबिल्डिंग और न्यूक्लियर ऊर्जा में हैं। भारत की विशाल युवा शक्ति और जापान की अनुसंधान क्षमता मिलकर 21वीं सदी की तकनीकी क्रांति को दिशा दे सकती है। यही वह आधार है जिस पर 'एशियाई सदी' की बहुप्रतीक्षित इमारत खड़ी हो सकती है।

**वैश्विक साउथ और एशिया की भूमिका**

मोदी का यह वक्तव्य कि 'भारत, जापानी कारोबार के लिए ग्लोबल साउथ का स्प्रिंगबोर्ड है' केवल कूटनीतिक विनम्रता नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीति का भी संकेत है। चीन के बढ़ते प्रभाव और अमेरिका के संरक्षणवादी रुख के बीच भारत-जापान साझेदारी विकासशील देशों के लिए एक नया विकल्प है। इसके अलावा, अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में भारत की स्वीकृति और जापान की पूंजी मिलकर वह शक्ति-संतुलन तैयार कर सकते हैं, जिसकी आज दुनिया को आवश्यकता है। यह साझेदारी चीन के ॢबेल्ट एंड रोड इनिशिएटिवॢ के विकल्प के रूप में भी देखी जा सकती है।

**भारत की वैश्विक छवि : एक विश्वसनीय ध्रुव**

मोदी ने अपने भाषण में भारत की आर्थिक उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि 18% वैश्विक वृद्धि में योगदान, 700 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, कम महँगाई, कम ब्याज दरें और मजबूत बैंकिंग प्रणाली, ये आंकड़े केवल सांख्यिकी नहीं हैं; यह उस विश्वसनीयता का प्रमाण हैं, जो आज भारत को निवेशकों की पहली पसंद बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम के अनेक देशों में जहाँ अस्थिरता और मंदी का माहौल है, वहीं भारत एक स्थिर, पारदर्शी और ऊर्जावान अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है।

**अमेरिका और चीन को संदेश**

इस यात्रा के राजनीतिक संदेश को अनदेखा नहीं किया जा सकता। अमेरिका के लिए संदेश यह था कि भारत केवल दबाव झेलने वाला बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारों के साथ स्वतंत्र रणनीति बनाने वाला राष्ट्र है। चीन के लिए संदेश यह था कि एशिया में अकेले उसकी दावेदारी नहीं है। जापान और भारत मिलकर एक वैकल्पिक ध्रुव बना सकते हैं, जो 'एशियाई सदी' को बहुध्रुवीय बनाएगा।

देखा जाये तो भारत-जापान संबंधों में यह नया अध्याय केवल निवेश या कारोबार तक सीमित नहीं है। यह एक रणनीतिक दृष्टि का हिस्सा है, जहाँ दोनों देश एशिया और विश्व के भविष्य को परिभाषित करने की भूमिका निभा सकते हैं। मोदी की यह यात्रा ऐतिहासिक इसलिए है क्योंकि इसमें आर्थिक सहयोग को रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया गया, अमेरिकी दबाव के बीच भारत की आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया और यह संकेत भी दिया गया कि आने वाली सदी केवल पश्चिम की नहीं, बल्कि एशिया की भी होगी। प्रधानमंत्री मोदी का यह जापान दौरा उस बड़े बदलाव का प्रतीक है, जिसमें भारत अब विश्व व्यवस्था का 'पार्टिसिपेंट' नहीं, बल्कि 'शेपिंग पावर' बनता जा रहा है।

## संपादकीय

### पीड़ादायक कारावास

सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मुकदमे को बेवजह लंबा खींचने को पीड़ादायक बताते हुए इसे मानसिक कारावास के समान कहा। भ्रष्टाचार के मामले में सजा को घटा कर जेल में बिताई अवधि तक सीमित कर दिया। दोषसिद्धि की पुष्टि करते हुए पीठ ने मूल जुमार्ने की राशि बढ़ा कर पच्चीस हजार रुपये अधिक कर दी। बाइस साल पहले तीन सौ रुपये रिश्वत मांगने वाली यह महिला 75 वर्ष की हो चुकी है जो केंद्रीय उत्पाद शुल्क में निरीक्षक के पद पर कार्यरत थी। उसे सितम्बर, 2002 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया था और निचली अदालत ने एक वर्ष के कारावास की सजा दी थी। 2010 में फैसले के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में उसने अपील की। वहां भी आदेश की पुष्टि के उपरांत दोषी शीर्ष अदालत आई। शीर्ष अदालत में सत्तासी हजार से अधिक मामले लंबित बताए जा रहे हैं। जिला व अधीनस्थ अदालतों में सत्तानबे लाख से अधिक मामले लंबित हैं। लंबित मुकदमों को यथा शीघ्र निपटाने की हिदायतों के बावजूद आरोपी सालों से न्याय के इंतजार में जेलों में बंद हैं जिसके चलते जेलों की हालत भी बेहद खराब है। बेशक, अदालती कार्रवाई में संसाधनों की कमी, जजों की नियुक्ति समेत तमाम दिक्कतें मुंह बाये खड़ी हैं, जिनका निपटान होता नहीं नजर आ रहा। दोषसिद्धि होने से पूर्व हजारों कैदी इस मानसिक पीड़ा से गुजरते हैं। उस पर भी आरोप सिद्ध न होने या पर्याप्त सबूतों के अभाव में रिहा होने पर भी उनकी इस मानसिक दुर्दशा के प्रति किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता। बार-बार चर्चा होती है कि दुर्दांत अपराधियों या जालसाजों के अतिरिक्त दोषसिद्धि से पहले कैद में रखने का कोई औचित्य नहीं है। अव्वल तो पेचीदा न हो तो मामलों का निपटान फौरी तौर पर होने की व्यवस्था होनी चाहिए। बिला-वजह मामलों को लंबित रखना पीड़ित और आरोपी, दोनों को मानसिक कारावास के तौर पर पीड़ा देने वाला ही नहीं होता, बल्कि अर्थव्यवस्था और शासन के लिए भी अहितकर साबित होता है। यह मौलिक अधिकारों का भी हरण है। न्याय प्राप्ति में देरी को अन्याय से मुक्त नहीं कहा जा सकता। लंबित वाद दोनों ही पक्षों के लिए मानसिक कारावास सिद्ध होता है। ढेरों मामलों में सजापूर्व कैदी को इस मानसिक कारावास के चलते गहन तनाव झेलना पड़ता है, जिस पर गौर किए जाने की जरूरत है।

## चिंतन-मनन

### दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना।

लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

# भारत में परिवार और नातेदारीः बदलता परिदृश्य

देवेंद्र कुमार बुड़ाकोटी

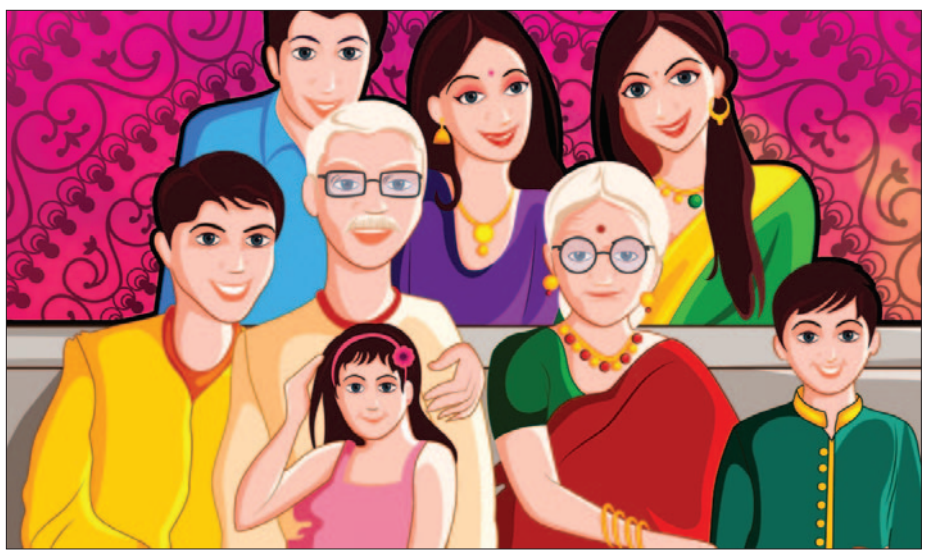



स्वतंत्रता के बाद से भारतीय समाज महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों से गुजर रहा है और एक गहन परिवर्तन से गुजर रहा है–जो पश्चिमी आदर्शों, जीवन शैली और सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है। वैश्वीकरण ने जहाँ भारत के लिए नए अवसरों और विश्वदृष्टिकोणों के द्वार खोले हैं, वहीं इसने पारंपरिक मूल्यों में, विशेष रूप से पारिवारिक संरचना, रिश्तों, व्यक्तिगत पहचान और सामाजिक एकता के संदर्भ में, एक उल्लेखनीय बदलाव भी लाया है। कई वर्षों से, मध्यम वर्गीय परिवारों में, खाना पकाना, बर्तन साफ करना, कपड़े धोना, घर में झाड़ू-पोछा लगाना, घर और बाहर की सफाई करना और घर का काम करना, रोजगार माना जाता रहा है और इस काम को करने वाले व्यक्ति को नौकर या नौकरानी कहा जाता है, इसलिए इन कामों को निम्न वर्ग का काम माना जाता है और नई पीढ़ी को इस काम में कोई रुचि नहीं है। पारिवारिक संरचना में इस सामाजिक परिवर्तन ने क्या रूप धारण किया है और नई पीढ़ी के परिवार का स्वरूप कैसा होगा और भविष्य के बच्चों का पालन-पोषण कैसे होगा और इसके क्या परिणाम होंगे?

संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में पारिवारिक संरचना में भारी गिरावट आ रही है। पिता, माता, भाई, बहन और दूर के रिश्तेदारों की कभी स्पष्ट भूमिकाएँ अब धुंधली होती जा रही हैं–कौन बाप, कौन माँ, कौन भाई, कौन बहन, कौन रिश्तेदार, यह बताना अब अक्सर मुश्किल हो जाता है। इस संदर्भ में, सामाजिक सीमाओं के बदलने और विस्तार के साथ, सेक्स, कामुकता और यहाँ तक कि अनाचार की अवधारणाएँ भी लचीली हो गई हैं।

पश्चिम में इसके परिणाम पहले से ही दिखाई दे रहे हैंः नशीली दवाओं का बढ़ता उपयोग (कानूनी और गैरकानूनी दोनों, कभी-कभी चिकित्सा या मनोरंजन की आड़ में भी), टूटे हुए परिवारों का प्रसार, बेघर होना, किशोरावस्था में गर्भधारण, अविवाहित और एकल माताओं की संख्या में वृद्धि, तलाक आम बात हो जाना, और वृद्धाश्रमों में रहने वाले वृद्धजनों का सामान्य होना। सामाजिक समस्याओं और उनसे जुड़ी कानून-व्यवस्था की चुनौतियों में उल्लेखनीय वृद्धि राज्य के लिए नियमित घटनाएँ हैं। इस विखंडन के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव गहराते जा रहे हैं, जो एक गहन सामाजिक परिवर्तन की ओर इशारा करते हैं–ऐसा परिवर्तन जो पश्चिमी समाजों द्वारा गंभीर चिंतन और संवाद की माँग करता है।

भारत में हम एक गहन परिवर्तन देख रहे हैं–जो पश्चिमी आदर्शों, जीवन-शैली और सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है। वैश्वीकरण ने जहाँ भारत के लिए नए अवसरों और विश्वदृष्टिकोणों के द्वार खोले हैं, वहीं इसने पारंपरिक मूल्यों, विशेष रूप से पारिवारिक संरचना, रिश्तों, व्यक्तिगत पहचान और सामाजिक सामंजस्य के संदर्भ में, में भी उल्लेखनीय बदलाव लाए हैं। बाहर विवाह, जाति, समुदाय और जातीयता, रिश्तेदारी के समीकरण को बदल रहे हैं।

नौकरी की गतिशीलता, शहरी प्रवास और व्यक्तिगत आकांक्षाओं में वृद्धि के कारण, विशेष रूप से शहरी भारत में एकल परिवारों का उदय तेज हुआ है। इस बदलाव ने परिवारों में दादा-दादी की कमी को बढ़ावा दिया है–जिससे पीढ़ियों के बीच के बंधन और सांस्कृतिक मूल्यों का संचरण कमजोर हो रहा है।

भारत में लिव-इन रिलेशनशिप, विलंबित विवाह और कुछ मामलों में, स्वैच्छिक एकल जीवन का भी उदय हो रहा है। जहाँ अब कई लोग लैंगिक भूमिकाओं, रिश्तेदारी संबंधों और पारंपरिक ज़िम्मेदारियों पर सवाल उठा रहे हैं, वहीं परिवार की भावनात्मक डोर कमजोर होती जा रही है। रिश्तेदारी, जो कभी रक्त और परंपरा से परिभाषित होती थी, अब व्यक्तिगत पसंद और पहचान से आकार ले रही है।

ये बदलाव, हालांकि कई मायनों में प्रगतिशील हैं, अपने साथ एक चुनौती भी लेकर आते हैंः पारंपरिक पारिवारिक भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों का अस्थिर होना, जिससे सामाजिक परिवेश और भी विखंडित हो रहा है।

पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में, पारिवारिक संरचना के क्षरण के साथ-साथ तलाक की दर, किशोरावस्था में गर्भधारण, एकल मातृत्व और बेघर होने की दर में भी नाटकीय वृद्धि हुई है। विवाहेतर संबंधों से पैदा हुए बच्चों को सामान्य मानने और घटती विवाह दर के कारण परिवार भावनात्मक रूप से अस्थिर और आर्थिक रूप से कमजोर हो गए हैं। सामाजिक दरारें अब बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, हिंसक अपराधों और सामुदायिक बंधनों के कमजोर होने के रूप में दिखाई दे रही हैं। एक रूपक के रूप में कहें तो, ठ ींा अस्त्री अब पश्चिम में परिवार, विवाह और रिश्तेदारी की पारंपरिक नींव के प्रति बहुत कम सम्मान के साथ मौजूद है। और फिर भी, भारत भी इसी राह पर चलता दिख रहा है, शायद इसके परिणामों को पूरी तरह से स्वीकार किए बिना।

आज के युवाओं में विदेश में शिक्षा प्राप्त करने, विवाह में देरी करने या उसे अस्वीकार करने, या बच्चे पैदा न करने का विकल्प चुनने की संभावना अधिक है। ये निर्णय स्वायत्तता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को दशार्ते हैं, लेकिन समुदाय और पारिवारिक संबंधों से अलगाव को भी बढ़ावा देते हैं।

परिवार का विघटन, व्यक्तिवाद का उदय, उपभोक्तावाद का अतिरेक, तथा सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण, समय के साथ उस सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर सकता है जिसने ऐतिहासिक रूप से भारतीय समाज को एक सूत्र में बांधे रखा है। भारत अपनी आधारभूत सामाजिक संरचनाओं को नष्ट किए बिना लैंगिक समानता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नवाचार जैसे आधुनिक मूल्यों को अपना सकता है। इसकी कुंजी चयनात्मक आत्मसातीकरण में निहित है–अपनी पारंपरिक प्रणालियों की खूबियों को बरकरार रखते हुए, पुरानी या अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं में सुधार लाना। शहरी भारतीय मध्यम वर्ग भले ही यह मानता हो कि भारतीय समाज तेजी से पश्चिमी पारिवारिक ढाँचे की ओर बढ़ रहा है, लेकिन हमारा विशाल ग्रामीण समाज अपने सांस्कृतिक लोकाचार में निहित है और यहीं भारत का निवास है।

# ज्योतिष : प्राचीव विद्या की गरिमा पर खतरा

रजनीश कपूर

आज के डिजिटल युग में, जहां सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने सूचना के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है, ज्योतिष विद्या भी डिजिटल क्रांति का हिस्सा बन गई है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर ज्योतिष से संबंधित वीडियो की बाढ़ सी आ गई है। इनमें से कई वीडियो दावा करते हैं कि वे 'त्वरित सफलता' के मंत्र, उपाय या टोटके प्रदान करते हैं, जो कुछ ही दिनों में जीवन की समस्याओं को हल कर सकते हैं। पारंपरिक और अनुभवी ज्योतिषी, जो जन्म कुंडली के गहन विश्लेषण के बाद ही उपाय सुझाते हैं, की विश्वसनीयता की तुलना में ये तथाकथित 'त्वरित उपाय' कितने प्रभावी हैं?

सोशल मीडिया पर उपलब्ध ज्योतिषीय वीडियो में अक्सर आकर्षक शीर्षक देखने को मिलते हैं-'तीन दिन में धन प्राप्ति का चमत्कारी उपाय' या ह्यइस मंत्र से बदल जाएगी आपकी किस्मत।' ये वीडियो आम तौर पर छोटे, तेजी से संपादित और मनोरंजक होते हैं, जो दर्शकों का ध्यान तुरंत खींचते हैं। इनमें बताए गए उपाय सरल और त्वरित लगते हैं, जैसे किसी विशेष रंग का धागा बांधना, कोई मंत्र जपना, या किसी वस्तु को घर में रखना। वृंदावन में कई वर्षों से ज्योतिष विद्या कर रहे सुप्रसिद्ध आचार्य राजेश पांडे के अनुसार, 'इन उपायों का कोई वैदिक या ज्योतिषीय आधार नहीं होता। ज्योतिष जटिल विद्या है, जिसमें ग्रहों, नक्षत्रों और कुंडली के बारह भावों का गहन अध्ययन शामिल होता है। किसी व्यक्ति की जन्म कुंड़ली का विश्लेषण किए बिना सामान्य उपाय देना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोगों को गलत दिशा में ले जा सकता है।' आचार्य पांडे कहते हैं, 'ऐसे वीडियो का उद्देश्य अक्सर दर्शकों की भावनाओं को भुनाना होता है। कम समय में ज्योतिष विद्या कभी नहीं सीखी जा सकती।' विशेषज्ञों के अनुसार, प्रामाणिक और अनुभवी ज्योतिषी किसी भी उपाय को सुझाने से जन्म कुंडली का गहन अध्ययन करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक व्यक्ति की कुंडली अलग होती है, जो उनके जन्म के समय ग्रहों की स्थिति पर आधारित होती है। कुंडली में ग्रहों के गोचर, दशा, अंतर्दशा और विभिन्न योगों का विश्लेषण करके ही तय किया जाता है कि व्यक्ति को किस प्रकार के उपाय की आवश्यकता है। किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि की साढ़े साती चल रही है, तो ज्योतिषी विशिष्ट मंत्र, दान, या पूजा की सलाह दे सकते हैं, जो उसकी स्थिति के लिए उपयुक्त हो। यह प्रक्रिया समय लेने वाली और जटिल होती है, लेकिन अधिक विश्वसनीय और प्रभावी होती है। यह विचारणीय है कि क्या त्वरित सफलता के मंत्र देने वाले वीडियो केवल लोकप्रियता बढ़ाने का हथकंडा हैं। सोशल मीडिया पर व्यूज, लाइक्स और सब्सक्राइबर्स की संख्या सीधे तौर पर आय से जुड़ी होती है। इसलिए, कई अनुभवहीन या स्वयंभू ज्योतिषी आकर्षक और सनसनीखेज सामग्री बना कर दर्शकों को लुभाने की कोशिश करते हैं। वे जटिल ज्योतिषीय सिद्धांतों को सरल और त्वरित समाधानों में बदल देते हैंङ्क जो वास्तव में ज्योतिष शास्त्र की गहराई को कमजोर करते हैं। आचार्य पांडे के अनुसार, 'कुछ लोग सतही जानकारी के आधार पर वीडियो बनाते हैं, जो किताबों, इंटरनेट, या अन्य स्रोतों से ली गई होती हैं। कई स्वयंभू ज्योतिषियों के पास न तो औपचारिक प्रशिक्षण होता है, और न ही गहन अनुभव। फिर भी, वे अपने आत्मविश्वास, आकर्षक प्रस्तुति और मार्केटिंग रणनीतियों के दम पर लाखों दर्शकों तक पहुंच जाते हैं। यह न केवल ज्योतिष की विश्वसनीयता को कम करता है, बल्कि उन लोगों को भी निराश करता है, जो इन उपायों पर भरोसा करते हैं।' ज्योतिष प्राचीन और सम्मानित विद्या है, जिसका उपयोग सदियों से लोगों के मार्गदर्शन के लिए किया जाता रहा है, लेकिन इस तरह के भ्रामक वीडियो इसकी साख को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब लोग इन तथाकथित उपायों को आजमाते हैं, और उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता, तो वे न केवल उन वीडियो पर विश्वास खो देते हैं, बल्कि ज्योतिष शास्त्र पर ही सवाल उठाने लगाते हैं।

यह उन अनुभवी ज्योतिषियों के लिए भी चुनौती बनता है, जो वषाड्ड के अध्ययन और अभ्यास के बाद लोगों की मदद करते हैं। अंत में, कहना गलत नहीं होगा कि



त्वरित सफलता के मंत्र देने वाले ज्योतिषीय वीडियो अधिकांशतः भ्रामक और लोकप्रियता के लिए बनाए जाते हैं। लोगों की भावनाओं और आशाओं का शोषण करते हैं, वो भी बिना किसी ठोस आधार के। दूसरी ओर, प्रामाणिक ज्योतिषी, जो कुंडली के गहन विश्लेषण के बाद उपाय सुझाते हैं, अधिक विश्वसनीय और प्रभावी होते हैं। ज्योतिष विज्ञान और कला का मिश्रण है, जो तभी प्रभावी होता है, जब इसे गंभीरता और जिम्मेदारी से अपनाया जाए। त्वरित सफलता का लालच छोड़कर हमें धैर्य और समझदारी के साथ सही मार्गदर्शन की तलाश करनी चाहिए। तभी हम ज्योतिष के वास्तविक लाभों को प्राप्त कर सकते हैं, और इस प्राचीन विद्या की गरिमा को बनाए रख सकते हैं। (लेख में विचार निजी हैं)

## दिल्ली पुलिस ने छह साल की बच्ची के बलात्कारी-हत्यारे को चार साल की फरारी के बाद गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक दोषी बलात्कारी और हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है, जो पैरोल पर छूटने के बाद चार साल से अधिक समय से फरार चल रहा था। दोषी की पहचान 40 वर्षीय संजय उर्फ सुजॉय के रूप में हुई है, जिसे तीन महीने तक चले अभियान के बाद बिहार के पटना से गिरफ्तार किया गया। संजय को 2007 में दिल्ली के कापसहेड़ा में छह साल की बच्ची के साथ हुए बलात्कार और हत्या के लिए 2010 में दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के मामले में एक भयावह कहानी सामने आई। पीड़िता के पड़ोसी संजय ने उसे समोसा खिलाने का लालच दिया। मासूम बच्ची, उसके बुरे इरादों से अनजान, उसके साथ एक खाली प्लॉट में गई जहां, उसने जघन्य अपराध किया। अपनी करतूतों को छिपाने के लिए उसने बच्ची की बेरहमी से हत्या कर दी। द्वारका अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने 2010 में संजय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जिसे 2014 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा। अपनी सजा का कुछ हिस्सा पूरा करने के बाद 15 जून 2021 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने उसे पैरोल प्रदान की। हालांकि, पैरोल की अवधि पूरी होने पर वह आत्मसमर्पण करने में विफल रहा और गायब हो गया। अपराध शाखा की डकैती-रोधी एवं विशिष्ट अपराध (एआरएससी) इकाई की एक समर्पित टीम को जघन्य अपराधों में शामिल पैरोल जंपरों का पता लगाने का काम सौंपा गया। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी और रॉबिन त्यागी के नेतृत्व में टीम ने गहन जांच शुरू की और भगोड़े को पटना में खोज निकाला। कानून प्रवर्तन से बचने के लिए, संजय ने अपना नाम बदलकर 'सुजॉय' रख लिया था और बिहार के विभिन्न इलाकों में अक्सर घूमता रहता था। फरार रहने के दौरान भी उसने अपना आपराधिक आचरण जारी रखा। उसने दो बार विवाह किया और एक पत्नी से उसका एक बच्चा है। वहीं, दूसरी पत्नी गर्भवती है। डीसीपी संजीव कुमार यादव ने बताया कि आरोपी 2003 में एक एक्सपोर्ट कंपनी में काम करने के लिए दिल्ली आया था। उसने अपने पैतृक गांव में 5वीं तक पढ़ाई की। फिलहाल उसके पास आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है और वह पूरी तरह से अपने पैतृक खेतों से प्राप्त आय पर निर्भर है।

## मंडावली में बारिश से ढ़ही मकान की दीवार, तीन स्कूली बच्चे बाल-बाल बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मंडावली में शुक्रवार को घर लौट रहे तीन स्कूली बच्चे बाल-बाल बच गए, जब बारिश के बीच एक खाली पड़े मकान की दीवार गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें मामूली चोटें आईं है। उन्होंने कहा कि चोटिल बच्चों की पहचान पंकज (8), ध्रुव (10) और आदी (8) के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'बड़ा चौक के पास मंडावली से दोपहर 12.58 बजे एक कॉल आई, जिसमें एक महिला ने बताया कि एक दीवार गिर गई है और कुछ स्कूली बच्चे उसके नीचे फंस गए हैं।' उन्होंने बताया कि साकेत ब्लॉक निवासी मनीषा (35) ने फोन पर बताया कि भारी बारिश के कारण एक पुराने बंद मकान की दीवार गिर गई है। उस समय कुछ स्कूली बच्चे घर लौट रहे थे और मलबे में दब गए हैं। इस बीच, दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों और एक पीसीआर टीम ने तीनों बच्चों को बचा लिया है। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें दोपहर एक बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पांच दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने कहा, 'हमारी टीम के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों और पीसीआर इकाई ने मलबे से तीनों बच्चों को बाहर निकाल लिया, जिन्हें निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया।'

## मौज मस्ती के लिए वाहन चुराने वाले नाबालिग समेत दो पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरकेपुरम पुलिस ने मौज मस्ती के लिए वाहन चुराने वाले नाबालिग समेत दो लोगों को पकड़ा है। इनके कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद की गई हैं। दक्षिण पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान सरोजनी नगर निवासी सिद्धार्थ और उसके नाबालिग साथी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी सिद्धार्थ ने खुलासा किया कि वह और उसका 17 वर्षीय नाबालिग दोस्त शराब का आदी है। दोनों मौज मस्ती करने के लिए वाहन चुराते थे। पेट्रोल खत्म होने पर वाहन सड़क किनारे छोड़ कर दूसरा वाहन चुरा लेते थे। पुलिस के मुताबिक, नौ व 25 अगस्त को भीकाजी कामा प्लेस इलाके से बाइक चोरी की दो शिकायतों की जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पहली घटना में दो संदिग्धों को अफ्रीका एवेन्यू रोड पर चोरी की बाइक पर जाते देखा गया। लेकिन उनका चेहरा स्पष्ट नहीं दिख रहा था। दूसरी वारदात के सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों का चेहरा स्पष्ट नजर आया। इस आधार पर उनकी पहचान कर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया।

## उपराज्यपाल ने की बानसेरा घूमने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बानसेरा का वीडियो साझा कर यहां लोगों से घूमने की अपील की है। उन्होंने लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2030 तक देश की 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर भूमि को पुनर्जीवित करने की दृष्टि से प्रेरित होकर दिल्ली में एक बड़ा कदम उठाया गया है। उपराज्यपाल के पदभार संभालने के तुरंत बाद 28 मई 2022 को सराय काले खां के पास यमुना तट पर स्थित प्रदूषित और बर्बाद भूमि का निरीक्षण किया गया। यहीं से 'बानसेरा यानी बांस का घर बसाने की परिकल्पना की गई। सिर्फ 18 महीनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के प्रयासों से यह जगह बदल गई। जहां कभी लाखों टन कचरा, मलबा और अतिक्रमण था, वहीं अब करीब 30 हजार बांस के पेड़ 30 फुट से भी ऊंचे खड़े हैं। इनके साथ ही देशी पेड़ों, हरी घास, फूलों और जलाशयों से सजा हुआ बांसरा आज दिल्ली का नया पारिस्थितिक और मनोरंजक केंद्र बन चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार बांस के पौधे अन्य पेड़ों की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक ऑक्सीजन छोड़ते हैं और मिट्टी की उर्वरता भी बहाल करते हैं। इस पार्क में मेघालय की मशहूर 'लाकाडोंग हल्दी और रंग-बिरंगे ट्यूलिप भी पनप रहे हैं।

# हर माह 100 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने का लक्ष्य : रेखा गुप्ता

**-दिल्ली वालों को घर के पास ही मिलेगी इलाज की सुविधा**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि उनकी सरकार ने हर माह 100 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि आम लोगों को घर के आसपास ही प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन केंद्रों के निर्माण के लिए न केवल पुराने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उपयोग किया जा रहा है, बल्कि बड़ी सरकारी ज़मीनों पर नई इमारतें भी बनाई जा रही हैं। बड़े आकार के इन आरोग्य मंदिरों में आपातकालीन सेवाओं के लिए बेड, पार्किंग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद बताया कि सरकार केंद्र से मिली 2400 करोड़ रुपये की धनराशि से इन केंद्रों के निर्माण और संचालन को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि आरोग्य मंदिरों में आधुनिक सेटअप रखा जाएगा ताकि लोगों को सामान्य और मौसमी बीमारियों के लिए अस्पतालों में न जाना पड़े और बड़े अस्पतालों पर बोझ कम हो।

वर्तमान में संचालित 67 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और आने वाले नए केंद्रों में 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें गर्भावस्था एवं प्रसव देखभाल, नवजात व शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, किशोर स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, संक्रामक व असंक्रामक रोगों का प्रबंधन, नेत्र एवं ईएनटी देखभाल, मौखिक स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, आपातकालीन सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन के अंतिम चरण की देखभाल जैसी सेवाएं शामिल हैं।

इसके अलावा, इन केंद्रों में इन-हाउस लैब टेस्ट की सुविधा होगी और डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, लैब तकनीशियन, टीबी प्रबंधन विशेषज्ञ और अन्य सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई है। आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण, आधुनिक प्रयोगशालाएं और साफ-सुथरे शौचालय भी उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि हर व्यक्ति जब इन आरोग्य मंदिरों में आए, तो उसे बेहतर इलाज और सम्मानजनक देखभाल मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर आने वाले समय में दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहचान बनेंगे।

## दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन सेवा चार घंटे से अधिक समय तक बाधित रही

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली मेट्रो के केंद्रीय सचिवालय से विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के बीच तकनीकी खराबी के चलते मेट्रो सेवाएं प्रभावित हुई हैं। स्कूल और ड्यूटी टाइम के दौरान आई खराबी के चलते येलो लाइन के कई स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ लग गई है। हौज खास इंटरचेंज स्टेशन पर सबसे ज्यादा भीड़ देखी जा रही है। येलो लाइन रूट मेट्रो में आई खराबी का असर ब्लू लाइन रूट पर भी पड़ने लगा है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा हुई। डीएमआरसी ने शुक्रवार को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट कर बताया, विश्वविद्यालय और सेंट्रल सेक्रेट्रिएट स्टेशनों के बीच ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जबकि नेटवर्क के अन्य सभी कॉरिडोर पर सामान्य नॉर्मल हैं। कई यात्रियों ने शिकायत की कि जीटीबी नगर से विश्वविद्यालय तक की दूरी जो आमतौर पर कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाती है, मेट्रो लाइन में आई खराबी के कारण लगभग 50 मिनट तक बढ़ गई है।

कई लोगों ने कहा कि देरी के कारण उन्हें समय पर ऑफिस और स्कूलों तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। डीएमआरसी ने कहा कि सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं और प्रभावित सेक्शन पर सुचारू संचालन बहाल करने के प्रयास जारी हैं। दिल्ली मेट्रो के प्रिंसिपल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस) अनुज दयाल ने एक बयान जारी कर बताया, %%नई दिल्ली और पटेल चौक स्टेशनों के बीच सिग्नलिंग संबंधी समस्या के चलते आज सुबह 7:25 बजे से दोपहर लगभग 12 बजे तक येलो लाइन के एक हिस्से पर ट्रेन सेवाओं को नियंत्रित करना पड़ा। इसके चलते कश्मीरी गेट और पटेल चौक के बीच के हिस्से पर मेट्रो ट्रेनों को सीमित गति (25 किमी प्रति घंटा) पर चलाना पड़ा, जबकि येलो लाइन के बाकी हिस्सों पर सामान्य ट्रेन सेवाएं जारी रहीं। हालांकि पूरी येलो लाइन पर कुछ ट्रेनों का जमावड़ा भी देखा गया। इस दौरान, ट्रेनों और स्टेशनों के अंदर अनाउंसमेंट के जरिये यात्रियों को लगातार सूचित किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपडेट शेयर किए गए। डीएमआरसी के सीनियर अफसर्स की निगरानी में मेंटिनेंस स्टाफ की एक टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्र में समस्या को दूर किया गया है।

## दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश हुई, तेज हवाओं के साथ और बारिश होने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के मध्य, दक्षिणी और दक्षिण पूर्वी हिस्सों में शुक्रवार को बारिश हुई, लेकिन और अधिक बारिश होने की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग ने इसके लिए अब तक कोई चेतावनी जारी नहीं की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे से 11.30 बजे के बीच सफदरजंग स्थित शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र ने 56.2 मिमी बारिश दर्ज की जबकि लोधी रोड में 34.8 मिमी और आया नगर में 11.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने अपने नवीनतम पूर्वानुमान में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई स्थानों पर आने वाले कुछ घंटों के दौरान गरज-चमक और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। इस बीच आईएमडी ने कहा कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम है जबकि अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 92 प्रतिशत दर्ज की गई है। सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 110 रहा, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है।

## एनडीएमसी अध्यक्ष ने आईएनए-दिल्ली हाट में खाद निर्माण स्थल का उद्घाटन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** स्थायी और विकेन्द्रीकृत कूड़ा प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने आज आईएनए-दिल्ली हाट में अत्याधुनिक खाद निर्माण स्थल का उद्घाटन किया। यह परियोजना भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) और मदरसन समूह के सहयोग से शुरू की गई है।

### 25 रेस्टोरेंट का 180 किलो कचरा होगा उपयोग

केंद्रीयकृत सामुदायिक क्लस्टर (सीसीसी) मॉडल पर आधारित इस सुविधा में 400 लीटर क्षमता वाले 15 एरोबिन कंपोस्टर्स लगाए गए हैं। इनकी मदद से दिल्ली हाट परिसर के 25 रेस्टोरेंट से प्रतिदिन निकलने वाले करीब 180 किलो जैविक कचरे (मासिक लगभग 5400 किलो) को खाद में परिवर्तित किया जाएगा। इससे लैंडफिल पर बोझ कम होगा और स्थानीय स्तर पर पोषक तत्वों से भरपूर खाद तैयार होगी।

### अध्यक्ष केशव चंद्रा ने दी नागरिकों को अपील

उद्घाटन समारोह में संबोधित करते हुए केशव चंद्रा ने कहा कि एरोबिन कंपोस्टर्स की स्थापना केवल कचरा प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों को अपने पर्यावरण के साथ जुड़ने का एक अवसर है। उन्होंने कहा, 'यह पहल दिखाती है कि सामुदायिक स्तर पर किए गए प्रयास कचरे को धन में बदल सकते हैं। प्रत्येक नागरिक को चाहिए कि वह स्रोत पर ही कचरे का पृथक्करण करें, ताकि नई दिल्ली को स्वच्छ और टिकाऊ बनाया जा सके।'

### आईपीसीए संस्थापक आशीष जैन का वक्तव्य

इस मौके पर आईपीसीए के संस्थापक निदेशक आशीष जैन ने कहा कि एनडीएमसी का प्रगतिशील दृष्टिकोण और मदरसन समूह का सहयोग सराहनीय है। उन्होंने बताया कि एरोबिन तकनीक कॉम्पैक्ट, गंध-मुक्त और बिजली रहित है, जो सामुदायिक स्थानों के लिए उपयुक्त समाधान है। उन्होंने कहा कि ÷प्रोजेक्ट सॉर्ट का लक्ष्य शून्य-अपशिष्ट समाज की ओर कदम बढ़ाना है।'

### एनडीएमसी ने आराधना सोसाइटी को 'अनुपम कॉलोनी' घोषित किया

सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनडीएमसी ने आराधना (बर्मा शेल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी) को 'अनुपम कॉलोनी' घोषित किया। यह सम्मान कॉलोनी द्वारा कचरा पृथक्करण, खाद निर्माण और पुनर्चक्रण में किए गए अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देता है।

### अधिकारियों और निवासियों की सहभागिता

एनडीएमसी अध्यक्ष केशव चंद्रा, सचिव तारिक थॉमस और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में 'अनुपम कॉलोनी' बोर्ड का अनावरण किया गया। इस अवसर पर कॉलोनी के आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल) केंद्र और खाद निर्माण स्थल का निरीक्षण भी किया गया।

कॉलोनी प्रबंध समिति के अध्यक्ष एन. मारवाह ने कहा, 'अनुपम कॉलोनी के रूप में मान्यता मिलना हमारे लिए गर्व की उपलब्धि है। यह सफलता निवासियों, सहायक कर्मचारियों और एनडीएमसी की सक्रिय सहायता के कारण संभव हुई है।'

### नई दिल्ली की ओर एक हरित भविष्य

इन पहलों के माध्यम से एनडीएमसी ने न केवल लैंडफिल पर बढ़ते दबाव को कम करने की दिशा में कदम उठाया है, बल्कि नागरिक-संचालित स्थिरता को भी प्रोत्साहित किया है। आईएनए-दिल्ली हाट कम्पोस्टिंग साइट और ÷अनुपम कॉलोनी÷ की घोषणा, दोनों ही राजधानी को स्वच्छ और हरित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

## सीएम ने किया दिल्ली हाफ मैराथन के मेडल का अनावरण

**-कहा, स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली थीम की मैराथन की ताकत बनेंगी महिलाएं**

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय खेल दिवस पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के मेडल का अनावरण किया। ये दौड़ 12 अक्तूबर को होगी, जिसकी थीम स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, इस दौड़ की सबसे बड़ी ताकत महिलाएं रहेंगी। सरकार इस मैराथन का पूरा सहयोग करेगी। इस मैराथन का मकसद लोगों में खेल भावना, फिटनेस, स्वास्थ्य के महत्व को जगाना है। मुख्यमंत्री ने कहा, ये हाफ मैराथन सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त और अनुशासित समाज के निर्माण की दिशा में एक बड़ा अभियान है। उनकी सरकार ये प्रयास करेगी कि मैराथन में इस बार महिलाओं की संख्या पुरुष से अधिक हो। प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि हर धावक का संकल्प और मेहनत समाज के लिए प्रेरणादायक है। ये मेडल केवल धावकों की जीत का प्रतीक नहीं है, बल्कि उनकी हिम्मत, लगन और प्रतिबद्धता का सम्मान है। हाफ मैराथन में दिल्ली के अलावा पूरे देश और दुनियाभर से हजारों लोग शामिल होंगे। सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में वेदांता से रितु झिंगोन मौजूद रहीं।

## बिधूड़ी ने पीएम मोदी के फिट रहने के संदेश को बच्चों तक पहुँचाया

**-राष्ट्रीय खेल दिवस पर दक्षिण दिल्ली में आयोजित हुआ कार्यक्रम**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि हर व्यक्ति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस संदेश पर अमल करना चाहिए कि फिट रहना सबसे बड़ी पूँजी है। इसके लिए हर किसी को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताना चाहिए। बिधूड़ी सर्वोदय बाल विद्यालय, जे-ब्लॉक, साकेत में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार वितरित किए और खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

सांसद बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देशवासियों को खेल, योग, जैविक खेती और तेल के सीमित प्रयोग से स्वस्थ जीवन जीने का मूलमंत्र देते हैं। यदि हर नागरिक इसे अपनाए तो न केवल व्यक्ति स्वस्थ रहेगा बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला भारी खर्च भी कम होगा और सरकार पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। उन्होंने बच्चों को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के बारे में जानकारी दी। उनके नेतृत्व में भारत ने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतकर हॉकी में बादशाहत स्थापित की थी। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियों में बदलाव के बाद आज अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है। समारोह में विधायक गजेंद्र यादव, डीएम लक्ष्य सिंघल, एडीएम राहुल सिंघल, शिक्षा विभाग उपनिदेशक (दक्षिण) अनिल कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## कई शिक्षकों को मिलेगा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन मेमोरियल अवॉर्ड 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कई शिक्षक और शिक्षिकाओं को निर्मल फाउंडेशन एवं ओ.के. फाउंडेशन द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन मेमोरियल अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन शिक्षकों को समर्पित है जिन्होंने परंपरागत शिक्षा पद्धति से आगे बढ़कर डिजिटल तकनीक, स्किल डेवलपमेंट और आधुनिक शिक्षण प्रणाली को अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। आयोजकों ने बताया कि यह अवॉर्ड न केवल शिक्षा में नवाचार को सम्मानित करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। इस सम्मान का उद्देश्य शिक्षकों को उनके योगदान के प्रति सराहना देना और नई पीढ़ी को प्रेरित करना है। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली के प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. रवि कुमार पुंडीर को विशेष सम्मान दिया जाएगा। उन्हें आधुनिक उच्च शिक्षण संस्थानों के जनक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित संस्थानों की स्थापना कर शिक्षा को नए आयाम दिए हैं। उनके प्रयासों से न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है, बल्कि छात्रों को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में भी मदद मिल रही है। डॉ. पुंडीर ने शिक्षा को रोजगारोन्मुखी और तकनीकी दृष्टि से सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं। उनका मानना है कि शिक्षक का कार्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज के लिए जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक तैयार करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक दिवस पर दिया जाने वाला यह सम्मान उन सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, जो शिक्षा को एक मिशन मानकर कार्य कर रहे हैं और छात्रों के जीवन को संवार रहे हैं।

## मानसून की बारिश से दिल्ली बेहाल, गरीब झेल रहे दुश्वारियां : देवेंद्र यादव

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली, 29 अगस्त (वेब वार्ता)। लगातार हो रही मानसून की बारिश ने दिल्ली की सड़कों, कॉलोनियों और गांवों को जलमग्न कर दिया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अनाधिकृत कॉलोनियों, पुनर्वास बस्तियों, जेजे क्लस्टरों और शहरी-ग्रामीण गांवों में रहने वाले गरीब लोग सबसे अधिक पीड़ा झेल रहे हैं क्योंकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समय रहते कोई ठोस कदम उठाने में विफल रही हैं।

देवेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मार्च में दावा किया था कि इस बार दिल्ली जलभराव से मुक्त होगी, लेकिन वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। बारिश ने दिल्ली को पूरी तरह जलमग्न कर दिया है और लोगों के जीवन को मुश्किल बना दिया है। वहीं, मुख्यमंत्री सिर्फ फोटो खिंचवाने और खोखले दावे करने में व्यस्त हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामी के कारण जहां हर बारिश में दिल्ली की सड़कों और बाजारों में 2-3 फीट तक पानी भर जाता है, वहीं यमुना के खतरे के निशान पार करने से बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि गरीबों की बस्तियां और झुग्गी-झोपड़ियां जलभराव और गंदगी से नरक बन चुकी हैं, जबकि सरकार किसी भी प्रकार की राहत देने में असफल रही है। उन्होंने आगे कहा कि राजधानी के पॉश इलाके भी जलभराव की चपेट में हैं। कनॉट प्लेस, चाणक्यपुरी, एनडीएमसी क्षेत्र से लेकर आनंद विहार आईएसबीटी, अक्षरधाम, मुंडका, नजफगढ़ और पीरागढ़ी तक लोग भारी ट्रैफिक जाम और टूटी सड़कों से परेशान हैं। जलभराव के साथ गंदगी ने संकट और बढ़ा दिया है। देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार पर डिसिल्टिंग में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी ने 30 जून तक डिसिल्टिंग का काम पूरा करने का दावा किया था, लेकिन हकीकत में कोई काम नहीं हुआ। अगर डिसिल्टिंग सही ढंग से हुई होती तो दिल्ली जलभराव से क्यों त्रस्त है? उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि डिसिल्टिंग का काम करने वाले विभागों और ठेकेदारों की जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

# शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति की अंतर्निहित चेतना को उजागर करना है : ओम प्रकाश पांडेय

**-हंसराज कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा पर भव्य व्याख्यान का आयोजन।**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति की अंतर्निहित चेतना को उजागर करना है और अगर जो चेतना को उजागर करने में सक्षम नहीं है वह शिक्षा किसी काम की नहीं है। ये शब्द हंसराज कॉलेज में आयोजित भारतीय ज्ञान परंपरा विषयक व्याख्यान में इसरो के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय ने कहे। उन्होंने कहा कि भारत की सही पहचान के लिए हमें गहराई के साथ विचार करना होगा। यह देश ऋषियों-मुनियों की सहस्रों साल की साधना और ज्ञान से निर्मित है। दुनिया की सर्वाधिक प्राचीन सभ्यता भारत सभ्यतागत विकास की केन्द्रीय धूरी रहा है और इसका प्रमाण वेदों से ही मिलने लगता है। उन्होंने आत्मा की अमरता और नश्वरता की बात की। उन्होंने आदर्श आचार्य पर भी अपने मत प्रकट किए और कहा कि आचार्य को अग्नि की तरह होना चाहिए। जैसे अग्नि के संपर्क में जो आता है वह अग्नि हो जाता है वैसा ही आचार्य को होना चाहिए। इससे पहले कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अंबडेकर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सत्यकेतु सांकृत ने कहा कि गीता, वेद, पुराण महत्वपूर्ण पुस्तके हैं अतः इसे सभी को पढ़ने व समझने की जरूरत है। आज का समस्त ज्ञान भारतीय ज्ञान परंपरा से ही विकसित हुआ ही है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा सभी काम तेजी से तो कर सकता है पर इसमें संवेदना नहीं है इसलिए यह खतरनाक है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रमा ने ओम प्रकाश पांडेय की पुस्तक 'भारत वैभव' का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को सही मायने में समझना है तो सभी को एक बार पुस्तक जरूर पढ़नी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमारे लोक में गहन जीवन दर्शन है और जीवन को समझने के लिए पहले हमें अपने लोक को समझना अति आवश्यक है। उन्होंने विविध वैदिक संदर्भों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के वैशिष्ट्य को सामने रखा। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार मिश्रा ने किया जबकि डॉ. नृत्य गोपाल ने सभी का धन्यवाद किया।

न्यूज ब्रीफ

## डीएम ने सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

**हरदोई (लक्ष्मीकान्त पाठक)।** विवेकानंद सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड (विकास) से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएम डैशबोर्ड पर जिलेवार योजनाओं की प्रगति दर्ज की जाती है। शासन स्तर से प्रतिमाह सभी जिलों की रैंकिंग जारी होती है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि जिले की रैंकिंग सुधारना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी विभाग समय से योजनाओं का डेटा पोर्टल पर फीड करें। विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य प्रमुख योजनाओं में तेजी लाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन विभागों का प्रदर्शन कमजोर रहेगा, उनकी पुनः समीक्षा की जाएगी। डीएम झा ने कहा कि विभागीय सुस्ती सीधे जिले की रैंकिंग को प्रभावित करती है। यदि अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करेंगे तो हरदोई को राज्य स्तर पर बेहतर स्थान दिलाया जा सकता है। समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

## रेल पटरी से युवक-युवती के कटे शव बरामद किए गए

**बांदा।** ललितपुर जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को पुलिस ने रेल पटरी से एक युवक और एक युवती के कटे शवों को बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ललितपुर के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कालू सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार दोपहर रेल पटरी से एक युवक और एक युवती के कटे शव बरामद किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों ने किसी ट्रेन से कटकर आत्महत्या की है। उन्होंने बताया कि शवों की तलाशी से मिले पहचान पत्रों से उनकी पहचान शिवानी (20) निवासी गुमाई बांदा और अशोक रैकवार (21) निवासी चंदला छतरपुर (मप्र) के रूप में हुई है। हादसे की सूचना दोनों के परिजनों को देकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। एएसपी ने बताया कि अभी तक आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चला है। मामले की जांच की जा रही है।

## सड़क हादसे में आगरा के अपर नगर मजिस्ट्रेट की मौत

**मैनपुरी।** उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में शुक्रवार सुबह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा हो गया। हादसे में आगरा के अपर नगर मजिस्ट्रेट (एसीएम) राजेश जायसवाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी कार का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, एसीएम राजेश जायसवाल कार से लखनऊ जा रहे थे। माइल स्टोन संख्या 77 के पास उनकी कार का संतुलन बिगड़ गया और वह आगे जा रही रोडवेज बस से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर दोनों को गंभीर हालत में सैफ़ई मेडिकल कॉलेज पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने एसीएम को मृत घोषित कर दिया। वहीं चालक की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। घटना के बाद प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

## फर्जी कागजात से जमीन पर कब्जा, नौ पर केस

**लखनऊ।** मोहनलालगंज स्थित एक जमीन पर जालसाजों ने फर्जी कागजात तैयार कर कब्जा कर लिया। मामले में कोर्ट के आदेश पर वजीरगंज पुलिस ने उपनिबंधक कार्यालय के दस्तावेज लेखक समेत नौ नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मोहनलालगंज के उतरावां गांव निवासी बुजुर्ग तारावती ने बताया कि उनके स्वर्गीय पिता फकीरे की गांव में जमीन थी। वर्ष 1992 में पिता ने वह जमीन उनके और उनके पति के नाम दर्ज कर दी थी। उनका आरोप है कि 15 जून 2023 को गांव के शंभू, निलमथा, शीतला प्रसाद, शैलेंद्र कुमार यादव, प्रेम कुमार, पंकज वर्मा, अशोक वर्मा और सरस्वती ने उनकी जमीन के फर्जी कागजात बनवा लिए और कब्जा कर लिया।

# जनता केवल मतदाता नहीं बल्कि जनार्दन है : सीएम योगी

## योगी ने किया उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग के नए भवन का शिलान्यास

अजय कुमार वर्मा, वेब वार्ता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अवध विहार योजना में उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के आधुनिक कार्यालय भवन का शिलान्यास किया। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह भवन 2618.59 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैलेगा और इसमें स्टिल्ट फ्लोर सहित कुल छह मंजिलें होंगी।

भवन की विशेषताएं और सुविधाएं- भवन की सुरक्षा और सुविधा के लिए छत पर 25,000 लीटर क्षमता का आरसीसी टैंक और भूमिगत स्तर पर एक लाख लीटर का अंडरग्राउंड टैंक स्थापित किया जाएगा। परिसर में रोड पाथवे, ओपन पार्किंग और रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा होगी। इसके अलावा 25 केएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाया जाएगा।

पूरे भवन में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी सिस्टम होगा। कर्मचारियों और आगंतुकों की सुविधा के लिए 13 यात्री क्षमता वाली दो लिफ्ट और 8 यात्री क्षमता वाली एक लिफ्ट लगाई जाएंगी। साथ ही भवन में आधुनिक आंतरिक विद्युतीकरण और पावर वायरिंग की व्यवस्था होगी।

लोकतंत्र को मजबूती देने की दिशा में कदम

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह भवन पारदर्शी और सुव्यवस्थित निर्वाचन व्यवस्था को नई मजबूती देगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि जनता केवल मतदाता नहीं बल्कि जनार्दन है और उनकी अपेक्षाओं को पूरा करना ही जनप्रतिनिधियों का दायित्व है।

सीएम ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग का स्वयं का भवन होना लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। अब आयोग पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों की विशाल प्रक्रिया को और बेहतर ढंग से संपन्न कर सकेगा।

यूपी की विशाल चुनावी प्रक्रिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के अंतर्गत अकेले 12 करोड़ से अधिक मतदाता मतदान में भाग लेते हैं, जो किसी भी राज्य की कुल आबादी से अधिक है। प्रदेश में वर्तमान में 57,600 ग्राम पंचायतें, 826 क्षेत्र पंचायतें और 75 जिला पंचायतें हैं। वहीं, 17 नगर निगम, 199 नगर पालिकाएं और 544 नगर पंचायतें भी हैं। इनके साथ ही 14,000 से अधिक पार्षदों के चुनाव की जिम्मेदारी भी राज्य निर्वाचन आयोग निभाता है। योगी ने कहा कि यही व्यापक चुनावी प्रक्रिया भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाने में उत्तर प्रदेश की अहम भूमिका दर्शाती है।

# पत्रकार स्थायी समिति की बैठक में प्रशासन ने दिया समन्वय का आश्वासन

ममता तिवारी, कुशीनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तवर की अध्यक्षता में शुक्रवार को पत्रकार स्थायी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत में जिलाधिकारी ने उपस्थित पत्रकारों से परिचय किया और उनकी समस्याओं को एक-एक करके सुना। इस अवसर पर पुलिस कप्तान संतोष कुमार मिश्रा भी मौजूद रहे।

बैठक में पत्रकारों ने प्रशासन के समक्ष अपनी प्रमुख मांगें रखीं। इनमें पत्रकारों के बैठने के लिए स्थान की व्यवस्था करना, मान्यता प्राप्त पत्रकारों का अलग जिला स्तरीय मोबाइल ग्रुप बनाना, पत्रकारों से टोल टैक्स न लिया जाना, जिले के सभी थानों में मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सूची उपलब्ध कराना, सूचना कार्यालय को कलक्ट्रेट परिसर के पास स्थानांतरित करना और स्थायी समिति की बैठक प्रत्येक माह आयोजित करना शामिल रहा।

पत्रकारों की मांगों पर जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। जिलाधिकारी ने कहा कि पत्रकारों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के लिए हर तीसरे महीने स्थायी समिति की बैठक नियमित रूप से की जाएगी। वहीं पुलिस कप्तान ने भरोसा दिलाया कि सभी थानों में मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सूची उपलब्ध कराई जाएगी ताकि सूचना आदान-प्रदान में किसी तरह की कठिनाई न हो।

बैठक के अंत में यूनाइटेड न्यूज़ इंडिया के जिला संवाददाता भानु प्रताप तिवारी ने जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एडीएम वैभव मिश्रा, एसडीएम मुहम्मद जफर, स्वतंत्र भारत के जिला संवाददाता अनिल कुमार पांडेय, जनता की राह के संपादक प्रभुनाथ गुप्ता, दैनिक मदर के संवाददाता सतीश मणि त्रिपाठी, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष शैलेश कुमार उपाध्याय, सूचना विभाग के जिआउद्दीन अंसारी, रामनवल कुशवाहा, अरविंद शुक्ल, अनिल सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

# आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने विद्युत व कृषि विभाग की समीक्षा की

लक्ष्मीकान्त पाठक, हरदोई

स्वामी विवेकानंद सभागार, कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने विद्युत और कृषि विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। नितिन अग्रवाल ने कहा कि अधिकांश शिकायतें ट्रांसफार्मर खराब होने, जर्जर तार, टूटे पोल और रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति न होने से संबंधित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर होने वाले विद्युत फाल्ट का निस्तारण प्राथमिकता और शीघ्रता से किया जाए।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि अधिकारी उपभोक्ताओं के फोन अवश्य रिसीव करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। उपभोक्ताओं से लगातार संवाद बनाए रखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

विधायक का सुझाव

बैठक में विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान गांवों में कैंप लगाकर किया जाए। साथ ही शहर, तहसील, ब्लॉक और ग्रामीण इलाकों में रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित हो। बैठक में खाद की उपलब्धता और वितरण पर भी चर्चा हुई। मंत्री और विधायक ने निर्देश दिए कि किसानों को खाद की उपलब्धता सुगमता से सुनिश्चित कराई जाए और वितरण पारदर्शी रहे।

जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि जनपद में खाद टोकन व्यवस्था के आधार पर केंद्रों पर वितरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बैठक में दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा और विभागीय अधिकारी टीम भावना से कार्य करें।

बैठक में उपस्थित अधिकारी

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, पी.के. वर्मा सहित अन्य जन-प्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

# दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पटाखों के निर्माण व बिक्री पर लगी रोक

वेब वार्ता, लखनऊ

आगामी त्यौहार मौसम के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश सरकार ने दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पटाखों के विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय (आनलाईन विक्रय सहित) एवं उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध मेरठ, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा), बुलंदशहर, हापुड़, बागपत, शामली, मुजफ्फर नगर जिलों में प्रभावी होगा। आदेश का उल्लंघन करने पर जुर्माना देना होगा।

यूपी पुलिस की तरफ से जारी आदेश के अनुसार यदि कोई व्यक्ति या संस्था इन जिलों में पटाखों के विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय (आनलाईन विक्रय सहित) एवं उपयोग करता हुआ पाया जाता है। उसे पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 की धारा-15 के जुर्माना व सजा दोनों मिल सकती है। सजा में पकड़े जाने पर पांच साल तक की कारावास की सजा, एक लाख रुपये तक का जुर्माना, दोनों (सजा और जुर्माना) हो सकती है।

वहीं पकड़े जाने के बाद भी आदेश उल्लंघन करने पर पहले ऐसे विफलता या उल्लंघन के लिए सजा सुनाए जाने के बाद हर दिन के लिए पांच हजार रुपये तक का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। पुलिस ने इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल रहने वालों की सूचना देने के लिए 112 नम्बर डायल करने, व्हाट्स एप नम्बर 7570000100 पर मैसेज द्वारा, एस.एम.एस 7233000100 नम्बर पर किया जा सकता है। इसके अलावा सोशल मीडिया पेज फेसबुक के लिए @112उत्तरप्रदेश व ट्विटर @112उत्तरप्रदेश पर करने के साथ ही उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से की जा सकती है। इसके अलावा यूपी पुलिस की ओर से यूपी पुलिस की वेबसाइट के पब्लिक ग्रीवांश सेल के फायर क्रेकर पोर्टल पर जाकर कर सकते हैं।

## कांग्रेस ने उठाया खुले नालों और संक्रामक रोग फैलने का मुद्दा

**लखनऊ।** हाल की घटनाओं पर कांग्रेस ने प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाया है। शुक्रवार को माल एवेन्यू स्थित नेहरू भवन में शहर कांग्रेस की प्रेस कान्फ्रेंस में आरोप लगाया गया कि शहर की स्थिति बदहाल है। गंदगी, खुले नाले, प्रदूषित जलापूर्ति संक्रामक रोगों को बढ़ावा दे रही है। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ. शहजाद आलम और जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू ने संयुक्त रूप से मीडिया को सम्बोधित किया। पार्टी कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नगर निगम की लापरवाही से पिछले दिनों ठाकुरगंज में राधा ग्राम कालोनी मे नाले के ऊपर पत्थर न होने की वजह से सुरेश राजपूत नामक व्यक्ति नाले में गिर गया। उसकी जान चली गई। अब जल संस्थान की लापरवाही से गंदा पानी आ रहा है। नतीजतन जानकीपुरम फैजुल्लागंज आदि क्षेत्रों में लोग डायरिया से पीड़ित हैं। इलाकों में पानी सही से नहीं आता है। बिजली की सप्लाई बार बार बाधित होने से पानी भी ठीक से नहीं आ रहा। जगह-जगह सीवर चोक होने की समस्या है।

# राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने किया बजाज एनर्जी समूह को सम्मानित

आलोक चतुर्वेदी, ललितपुर

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एक दिन के दौरे पर ललितपुर पहुँची और इस अवसर पर उन्होंने बजाज एनर्जी समूह के द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व (सीए-सआर) के तहत किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने बजाज एनर्जी की सराहना करते हुए कहा कि समूह द्वारा स्थानीय समाज और बच्चों के लिए किए गए प्रयास प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में कमल नयन जमनालाल बजाज फाउंडेशन द्वारा गोद लिए गए 50 आंगन-बाड़ियों के लिए विशेष किटों का वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने बजाज एनर्जी की ललितपुर पॉवर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट राजीव श्रीवास्तव, पी.के. सिंह और सीएसआर प्रभारी राजेंद्र सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम ने स्थानीय समाज और शिक्षा के क्षेत्र में संगठन की सकारात्मक भूमिका को उजागर किया।

# खेल दिवस पर आयोजित टूर्नामेंट में स्टेडियम ट्रेनीज की शानदार जीत

क़मर खान, बलरामपुर

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर खेल निदेशालय के निर्देशन में बलरामपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिला खेल विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन नगर-पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने किया,जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम रहे। टूर्नामेंट में सेमीफाइनल मुकाबले मिल्ली करवा पब्लिक स्कूल,डिवाइन पब्लिक स्कूल,पायनियर स्कूल एवं एमपीपी स्कूल के बीच खेले गए।

फाइनल मुकाबला स्टेडियम ट्रेनीज और पायनियर पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया,जिसमें स्टेडियम ट्रेनीज ने 1-0 से जीत दर्ज करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी दिनेश कुमार,उप जिला क्रीड़ा अधिकारी कमाल अहमद,फुटबॉल सचिव हसन कुरैशी,उप क्रीड़ा अधिकारी प्रवेश कुमार रावत,कोच हिना खातून,सूरज कुमार, सरकेश यादव,नागेंद्र गिरि,विजय शंकर सहित स्टेडियम के कई कर्मचारी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया एवं उनका उत्साहवर्धन किया।

विधायक पल्टूराम ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा खेलों को उच्च प्राथमिकता दी जा रही है। प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में खेल आयोजनों को बढ़ावा दिया जा रहा है,जिससे युवाओं को सशक्त,अनुशासित एवं स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

## खेल मैदान को संरक्षित कर चाहरदीवारी निर्माण कराने की मांग

**तुलसीपुर।** स्थानीय आदर्श नगर पंचायत तुलसीपुर के स्वतंत्र भारत इंटर कालेज प्रांगण को एक मात्र खेल मैदान के नाम से जाना जाता है। आज इस मैदान के चारों ओर गन्दगी व अतिक्रमण का बोलबाला है। खेल मैदान को संरक्षित कर उसके चारों ओर चाहर-दीवारी का निर्माण कराए जाने की मांग राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर खेल मैदान बचाओ संघर्ष समिति के पदाधि-कारियों ने की है। संरक्षक केसरी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि इस खेल मैदान का प्रयोग विभिन्न खेलों के अलावा अनेकों धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक कार्यों में होता रहा है। लेकिन आज यह मैदान अपनी गंदगी व अतिक्रमण के कारण अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। स्वतंत्र भारत इंटर कॉलज खेल मैदान को जाने वाला सुलभ रास्ता केन यूनियन द्वारा विगत वर्षों में बंद किया जा चुका है।

# कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में 16 शिकायतें, राज्यमंत्री ने 13 का किया समाधान

राजेश आहूजा, सोनीपत

- नगर निगम को संबंधित कार्यों के अस्टीमेट तैयार करने के आदेश।
- पुलिस अधिकारियों को बिल्डर के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश।

हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम ने पार्श्वनाथ सोसायटी के खिलाफ मिली शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वहां रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध करवाई जाएं। उन्होंने नगर निगम को भी निर्देश दिए कि वहां पर किए जाने वाले कार्यों के अस्टीमेट तैयार किए जाएं और पुलिस अधिकारियों को भी कहा कि सुविधाएं उपलब्ध न करवाने पर बिल्डर के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राज्यमंत्री गौरव गौतम की अध्यक्षता में शुक्रवार को लघु सचिवालय में कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में रखी गई कुल 16 शिकायतों में से 13 का मौके पर समाधान किया गया, जबकि बाकी तीन शिकायतों के समाधान के लिए अधिकारियों को अगली बैठक तक निर्देशित किया गया। राज्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभाएं और जनता की शिकायतों का तुरंत समाधान करें, ताकि लोग बार-बार चक्कर न काटें।

बैठक में उठी शिकायतों में विशेष रूप से गांव पट्टी ब्रह्मणान के अशोक वर्मा और गांव करेवडी के राहुल की गलत पेंशन लेने की शिकायत शामिल थी। इस पर राज्यमंत्री ने डीएसडब्ल्यूओ को निर्देश दिए कि संबंधित के खिलाफ कार्रवाई कर रिकवरी सुनिश्चित करें। गोहाना स्थित प्लाट की दीवार गिराकर नाजायज रास्ता बनाने की शिकायत पर उन्होंने एसडीएम गोहाना को स्वयं जांच करने का निर्देश दिया।इसके अलावा फरीदाबाद निवासी ओमप्रकाश धामा की शिकायत पर कि उनके पैतृक गांव खानपुर खुर्द में 50 साल पुरानी चौपाल भूमि पर गलत कब्जा कर अंतकाल कर बेचा गया, राज्यमंत्री ने एसडीएम गोहाना को जांच कर धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अंकित बूरा की शिकायत पर उन्होंने अंसल सुशांत सिटी में अलॉट किए गए प्लाट के दस्तावेज अगली बैठक में प्रस्तुत करने को कहा।

गांव हसनपुर के संजीव की रास्ते से संबंधित शिकायत और गांव सिटावली के संदीप की अवैध कब्जा हटाकर गली निर्माण की शिकायत पर भी राज्यमंत्री ने एसडीएम को जांच कराने के आदेश दिए।

# नगर निगम ने ड्रोन से किया एंटी लार्वा का छिड़काव, नई कालोनियों में भी फॉगिंग

वेब वार्ता, लखनऊ

इस माह लगातार हुई बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया है। इसके मद्देनजर नगर निगम ने शहर के सभी वार्डों में फॉगिंग अभियान चलाया और कुछ इलाकों में ड्रोन के माध्यम से एंटी लार्वा का छिड़काव कराया गया।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। अभियान के अंतर्गत कंचनपुर, मटियारी, कमता क्षेत्र में तालाबों और जलभराव वाले स्थानों पर ड्रोन की सहायता से एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया। इसी प्रकार तकरोही रोड, अमरही गांव और नौबस्ता कला में भी ड्रोन के माध्यम से मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट किया गया।

शुक्रवार को नगर निगम की टीमें कई इलाकों में सक्रिय रहीं। गोमती नगर विजयंत खंड-2 (मिनी स्टेडियम के पास), न्याय विहार कॉलोनी मुबारकपुर, रेल नगर आशियाना, विराट नगर आलमबाग, एलडीए कॉलोनी सेक्टर-एच और आशियाना सेक्टर-जे में फॉगिंग की गई। इसके अलावा पांडेयगंज, रानीगंज और अमीनाबाद क्षेत्रों में फॉगिंग के साथ एंटी लार्वा छिड़काव किया गया। वहीं मौलवीगंज, अमीनाबाद और लाटूश रोड पर फॉगिंग, सफाई और एंटी लार्वा छिड़काव कराया गया।नगर आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे अभियान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि घरों और आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें, गमलों, कूलरों और टंकियों की नियमित सफाई करें। यदि कहीं जलभराव दिखाई दे तो तुरंत नगर निगम के टोल फ्री नंबर 1533 पर सूचित करें।भिठौली और आलमबाग क्षेत्र में भी न्याय विहार बिठौली, विश्वेश्वर नगर आलमबाग, पूरन नगर और रामनगर आलमबाग क्षेत्रों में फॉगिंग की गई। इन इलाकों में जलभराव और गंदगी की आशंका को देखते हुए विशेष सफाई अभियान भी चलाया गया। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि यह अभियान केवल चुनिंदा इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के सभी 110 वार्डों में लगातार चलाया जा रहा है।

## कपिल मिश्रा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का निचली अदालत से अनुरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में निचली अदालत से सुनवाई टालने का अनुरोध किया है। यह मामला 2020 के विधानसभा चुनावों के दौरान कथित रूप से भड़काऊ टिप्पणी करने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने निर्देश तब दिया जब मिश्रा के वकील, महेश जेठमलानी, ने कोर्ट को जानकारी दी कि दिल्ली पुलिस ने अपने पूरक आरोपपत्र में कुछ ऐसी फाइलें शामिल की हैं, जो एक्स (पूर्व में ट्विटर) से मिली थीं। जेठमलानी के अनुसार, ये फाइलें कोडित और पढ़ने योग्य नहीं थीं। मिश्रा के वकील जेठमलानी ने कोर्ट से निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग कर तर्क दिया कि दस्तावेजों का एक पठनीय संस्करण उपलब्ध कराए बिना कार्यवाही शुरू करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर ट्रायल कोर्ट आगे बढ़ता है, तब उनकी अपील निरर्थक होगी। कोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार करते हुए निचली अदालत से सुनवाई को दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा तय की गई अगली तारीख तक स्थगित करने का अनुरोध किया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। यह मामला 24 जनवरी, 2020 को दर्ज हुई एक एफआईआर से शुरू हुआ था, जिसमें कपिल मिश्रा पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट करके आदर्श आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

## महुआ मोइत्रा का विवादित बयान, शाह का सिर काटने की बात कही

कोलकात (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा विवादों में फिर गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाए हैं कि मोइत्रा ने शाह का सिर काटने की बात कही है। खास बात है कि यह मामला तब सामने आया है, जब बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला तूल पकड़ रहा है। बंगाल भाजपा ने लिखा, जब महुआ गृहमंत्री का सिर काटने की बात करती हैं, तब ये टीएमसी की निराशा और हिंसा की संस्कृति को दिखाता है, जो बंगाल की छवि खराब कर रही है और राज्य को पीछे ले जा रही है। पार्टी ने वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें मोइत्रा पत्रकारों से बातचीत करती दिख रही हैं।

## पंजाब में 37 साल में पहली बार भीषण बाढ़, कई जिले पूरी तरह जलमग्न

**-एनआरआई पंजाबियों ने बढ़ाया मदद का हाथ**

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में 37 साल में पहली बार भीषण बाढ़ आई, जिसने 1988 का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर हैं, जिससे पंजाब के कई जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पंजाब के प्रभावित क्षेत्र में पठानकोट, गुरदासपुर, फाजिल्का, तरनतारन, कपूरथला, फिरोजपुर, होशियारपुर, और अमृतसर जैसे जिलों में हालात गंभीर हैं। सैकड़ों गाँव जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ के कारण हजारों लोगों को पलायन करना पड़ा है, और जान-माल का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। लोग अपने घरों और पशुओं को छोड़कर अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बचाव कार्यों में तेजी लाने के आदेश दिए हैं। चंडीगढ़ में एक उच्च-स्तरीय बैठक भी बुलाई गई है। राजपुरा में एक बाढ़ नियंत्रण कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर स्थापित किया गया है। विदेशों में रहने वाले पंजाबी समुदाय ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। सोशल मीडिया पर प्रे फार पंजाब ट्रेंड कर रहा है। यह बाढ़ पंजाब के लिए एक बड़ी चुनौती है, और सरकार के साथ-साथ आम लोग भी इस आपदा से निपटने के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं।

## झारखंड के दो मंत्रियों की हत्या की धमकी....युवक पटना से गिरफ्तार

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है, युवक ने वीडियो में झारखंड के दो मंत्रियों की हत्या की धमकी दी थी। राजेंद्र नगर निवासी आरोपी अंकित कुमार मिश्रा को पटना में गिरफ्तार किया। मिश्रा ने वीडियो में दावा किया था कि उसके गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से संबंध हैं। गिरिडीह पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मिश्रा ने गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को 24 घंटे के भीतर जान से मारने की धमकी दी। कुमार ने कहा, गिरिडीह के निवासी द्वारा युवक के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने तकनीकी और खुफिया जानकारी की मदद से आरोपी को पटना से गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि मिश्रा का किसी लोरेंस गैंग से कोई संबंध नहीं है, लेकिन वह कई बार छोटे-मोटे अपराधों के लिए जेल जा चुका है। पुलिस ने बताया कि मिश्रा के खिलाफ धमकी देने और अशांति फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया जाएगा।

## हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में जल्द बहाल होंगी मोबाइल सेवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल संपर्क सेवा बहाल करने के संबंध में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सचिव (दूरसंचार) डॉ. नीरज मित्तल, संचार मंत्रालय, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और अन्य दूरसंचार संचालकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सभी प्रभावित क्षेत्रों, विशेष रूप से जम्मू के डोडा और उधमपुर जिलों में, जहाँ बाढ़ का सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, सेवाएँ बहाल करने के लिए तत्काल युद्धस्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अंतर-जिला और घाटी संपर्क में क्रमिक प्रतिबंधों पर भी कड़ी नज़र रखी जा रही है ताकि सेवाएँ शीघ्र अति शीघ्र सामान्य हो सकें।

# कब भरी जाएंगी 2021 से ख़ाली जम्मू कश्मीर से राज्यसभा की 4 सीटें?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर की 4 राज्यसभा सीटें फरवरी 2021 से रिक्त पड़ी हैं। चुनाव आयोग ने केंद्र से अनुरोध किया था कि राष्ट्रपति द्वारा सभी चार रिक्त पड़ी राज्यसभा सीटों का कार्यकाल अलग-अलग यानी स्टेगर्ड टर्म्स के लिए निर्धारित कर दिया जाए ताकि हर दो साल में क्रमशः एक सीट खाली हो और नया चुनाव हो सके। लेकिन कानून और न्याय मंत्रालय ने यह मांग ठुकरा दी है। मंत्रालय ने आयोग से स्पष्ट कहा कि संविधान और मौजूदा कानूनों में ऐसी व्यवस्था की कोई अनुमति नहीं है।

आयोग ने कहा था कि संविधान का उद्देश्य राज्यसभा को स्थायी सदन बनाना है, जहाँ हर दो साल में एक-तिहाई सदस्य बदलते रहें। चूंकि जम्मू-कश्मीर में चारों सीटें एक साथ खाली हुई हैं, इस चक्र में असमानता आ गई है। इसलिए राष्ट्रपति आदेश से टर्म्स अलग-अलग कर दिए जाएं। कानून मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की मांग का कोई कानूनी आधार नहीं है। यदि राष्ट्रपति आदेश से एक बार टर्म बदल दिया गया तो वही नियम अन्य राज्यों में भी लागू करना होगा, जहाँ अतीत में ऐसी स्थिति बनी थी (जैसे पंजाब और दिल्ली)। ऐसा करना संविधान संशोधन के बिना संभव नहीं।

जम्मू कश्मीर की नई विधानसभा में कुल 90 निर्वाचित सदस्य और 5 नामित सदस्य हैं। इनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस 34 विधायक हैं जबकि कांग्रेस के 17, भारतीय जनता पार्टी के 22, अन्य व निर्दलीय - 17 विधायक हैं। राज्यसभा चुनाव में मतदान केवल निर्वाचित विधायक करते हैं। इस लिहाज़ से नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन के पास 51 विधायकों की संख्या है जो बहुमत से काफी अधिक है। इस समीकरण में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को राज्यसभा की 3 सीटें मिलना लगभग तय माना जा रहा है। चौथी सीट के लिए भाजपा और नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस के बीच टक्कर होगी। यदि गठबंधन निर्दलीयों को साथ ले आया, तो चारों सीटें उसके खाते में जा सकती हैं। भाजपा की झोली ख़ाली रह सकती है।

नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने कहा कि कानून मंत्रालय का फैसला सही है और इससे जम्मू-कश्मीर की जनता की आवाज़ राज्यसभा में दोबारा सुनी जाएगी। भाजपा नेताओं ने आयोग की मांग को ÷तर्कसंगत÷ बताते हुए कहा कि एक साथ चुनाव से विपक्ष को अनुचित लाभ मिलेगा। जबकि संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि चुनाव आयोग की मंशा संवैधानिक भावना के अनुरूप हो सकती है, लेकिन कानूनी प्रावधानों के अभाव में ऐसा करना संभव नहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि जम्मू-कश्मीर का मामला पहला नहीं है। इससे पहले भी पंजाब और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन और आपातकाल

के दौर में राज्यसभा सीटें एक साथ खाली हुई थीं। पंजाब में आपातकाल के दौरान विधानसभा भंग हो जाने से राज्यसभा सीटों के कार्यकाल एकसाथ खत्म हुए। दिल्ली में 1990 के दशक में इसी तरह की स्थिति बनी थी। लेकिन तब भी कभी टर्म्स को स्टैगर करने का आदेश नहीं दिया गया। सभी सीटों पर एक साथ चुनाव कराए गए और नए सदस्यों का कार्यकाल एक ही तारीख से शुरू माना गया। यही परंपरा अब जम्मू-कश्मीर में भी अपनाई जाएगी।

## देहरादून में विक्रम में 6 से ज्यादा सावरियों पर रोक... ड्राइवर के बंगल वाली सीट पर कोई सवारी नहीं बैठेगी

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में नियमों को दरकिनार कर चल रहे विक्रम अब केवल छह सवारियों के साथ ही चल सकते है। ड्राइवर के बंगल वाली सीट पर कोई सवारी नहीं बैठेगी। हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने एक आदेश जारी किया है। विक्रम अब सिक्स प्लस वन की श्रेणी में ही माने जाएंगे, जिसका मतलब है कि वे ड्राइवर के अलावा केवल छह सवारियां बैठा सकते हैं। विक्रम चालकों को आदेश दिया गया है कि वे 10 सितंबर तक आगे वाली सीट हटा दें और ड्राइवर के केबिन को लोहे की चादर या रॉड से बंद करवा दें। जो विक्रम 10 सितंबर तक यह बदलाव नहीं करते हैं, उनकी फिटनेस नहीं होगी और न ही उनके टैक्स से संबंधित कोई काम किया जाएगा। यदि किसी विक्रम में आगे की सीट पर सवारी बैठी पाई गई, तब 20,000 तक का जुर्माना लगाया जाएगा। ओवरलोडिंग करने वाले विक्रमों के खिलाफ उनके परमिट की शर्तों के उल्लंघन के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि शहर में कुल 784 विक्रम पंजीकृत हैं। यह फैसला नैनीताल हाईकोर्ट के आदेश के बाद लिया गया है, जिसने स्पष्ट किया है कि परिवहन मुख्यालय इस संबंध में कोई निर्णय नहीं ले सकता। इससे पहले, साल 2019 में भी यही नियम लागू किया गया था, लेकिन बाद में चालकों ने रॉड हटाकर फिर से सवारियां बैठाना शुरू कर दिया था।

## अंतरिक्ष यात्री शुभांशु अपने घर पहुंचे, माता-पिता की खुशी का ठिकाना न रहा

**-मां के हाथ की बनी मठरी खाई, चचेरे भाई ने कर थी फरमाईश**

**लखनऊ (एजेंसी)।** अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने घर पहुंचे। बेटे को देख माता-पिता की बहुत खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि हमने बेटे से आने को कहा था और उसने व्यस्तता के बावजूद समय निकाला, हमारी बात मानी और मान बढ़ाया। वहीं, शुभचिंतकों से घिरे शुभांशु भी काफी भावुक नजर आए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खास मौके पर शुभांशु के पिता शंभु दयाल शुक्ला ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लगा कि मेरा बेटा घर आया। उसके आने के बाद सभी के चेहरे खिल उठे। जैसे ही आसपास के लोगों को पता लगा, सब उससे मिलने आए। उसने सभी लोगों से बात की। मेरे बेटे से कई विषयों को लेकर बात हुई। एक बार उसका कार्यक्रम पूरा हो जाए, तो इसके बाद हम बेंगलुरु जाएंगे। शुभांशु की माता आशा ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लगा कि हमारा बेटा घर आया। मैं लंबे समय से इंतजार कर रही थी। ऐसी स्थिति में हमें लग रहा था कि शायद उसका आना मुश्किल हो जाएगा, लेकिन जैसे ही हमें पता लगा कि वह आया है, तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। शुभांशु की मां ने कहा कि उन्होंने बेटे के आने की खुशी में कुछ खास नहीं बनाया। हमारे घर में जो भी सामान्य तौर पर बनता है, वही बनाया था। वो तो मेरा बेटा है। जैसा मेरे लिए पहले था, वैसे ही आज है। हमें बहुत खुशी हुई कि वो समय निकालकर हमसे मिलने आया।

शुभांशु शुक्ला के चचेरे भाई आशीष ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लगा कि शुभांशु हमारे बीच में आए और अपनी मां के हाथ का बना खाना खाया। उसके लिए मठरियां बनाई गई थीं, जिसे उसने बहुत ही चाव से खाया था। हमने शुभांशु से कहा कि लखनऊ में एक एयरशो होना चाहिए है। अगर ऐसा करते हैं, तो निश्चित तौर पर इससे आने वाली पीढ़ियों को व्यापक स्तर पर फायदा पहुंचेगा।

# भाजपा ने विपक्ष पर साधा निशाना: मराठा आरक्षण पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे की चुप्पी

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई ने विपक्ष के महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन पर मराठा आरक्षण के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। भाजपा के प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने कहा कि जब एमवीए सत्ता में थी, तब उन्होंने मराठा समुदाय की मांगों की अनदेखी की। बीजेपी प्रवक्ता उपाध्ये ने विशेष रूप से एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण के लिए कार्यकर्ता मनोज जरांगे का आंदोलन शुरू होने के बावजूद, ये नेता चुप हैं।

उपाध्ये ने पोस्ट कर आरोप लगाया कि एमवीए सरकार ने जानबूझकर मराठा समुदाय की मांगों को नजरअंदाज किया।

उन्होंने दावा किया कि शरद पवार ने एक बार आरक्षण के मुद्दे को आगे न बढ़ाने की बात कही थी और अब उन्होंने भ्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना के मुखपत्र सामना ने मराठा समुदाय के मौन मार्च को मुक्का मोर्चा कहकर उनका मज़ाक उड़ाया था। उपाध्ये ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक मराठों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया।

### मनोज जरांगे का आंदोलन

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे हजारों समर्थकों के साथ शुक्रवार को मुंबई के आजाद मैदान पहुंचे। उन्होंने अनशन शुरू करते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तरफसे सहयोग की कमी के कारण उन्हें मुंबई तक मार्च करना

पड़ा। जरांगे ने अपने समर्थकों से शांति बनाए रखने और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे समुदाय की छवि खराब हो।

भाजपा ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि मराठों को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) कोटा को छेड़े बिना आरक्षण मिलना चाहिए। पार्टी ने दावा किया कि इस दिशा में कानूनी तैयारियां चल रही हैं।

## सौगात : बिहार को दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जल्द मिलेंगी

मुजफ्फरपुर। बिहार की राजधानी पटना के साथ ही उत्तर बिहार के विभिन्न शहरों से श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या से आना-जाना आसान और सुगम हो जाएगा। दोनों नई प्रस्तावित वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पटना से चलाए जाने की योजना है, जो मुजफ्फरपुर होकर संचालित होंगी। जल्द ही इनका आधिकारिक टाइम टेबल जारी किया जाएगा। मालूम हो कि, उत्तर पूर्व रेलवे पहले से गोरखपुर से एक वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन कर रहा है। यह गोरखपुर से बगहा, बेतिया, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर होते हुए पाटलिपुत्र के बीच चल रही है। शुरुआती दिनों में यात्रियों की कमी थी। अब यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जानकारी के अनुसार, पटना से अयोध्या के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जल्द शुरू होगी। यह ट्रेन पटना से खुलने के बाद पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, बापूधाम मोतिहारी, सुगौली, बेतिया, नरकटियागंज, बगहा, सिसवा बाजार, गोरखपुर, बस्ती और अयोध्या धाम होते हुए अयोध्या कैंट स्टेशन तक पहुंचेगी। कुल 565 किलोमीटर की दूरी यह ट्रेन लगभग पौने 8 घंटे में पूरी होगी। दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन पूर्णिया से पटना के दानापुर के बीच होगा। यह ट्रेन पूर्णिया से खुलकर मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, हसनपुर रोड, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर और पाटलिपुत्र होते हुए दानापुर तक पहुंचेगी। इस ट्रेन की घोषणा बीते दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली में की थी। फिलहाल इन दोनों वंदे भारत ट्रेनों की समय सारिणी पर आधिकारिक मुहर नहीं लग सकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इन सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई जा सकती है।

# स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय

**-मायावती ने कहा-एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए देश का माहौल खराब ना करें**

**लखनऊ (एजेंसी)।** बिहार के दरभंगा में कांग्रेस और राजद की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी के खिलाफ मंच से कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर देशभर में राजनीतिक बवाल मच गया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने भी इस प्रकरण पर नाराजगी जताई है। उन्होंने बिना नाम लिए पीएम के खिलाफ हुई अभद्र टिप्पणी की निंदा की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा- देश में खासकर राजनैतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय है। इस संबंध में सभी पार्टियों की राजनीति, पार्टी के संविधान के हिसाब से विचार और सिद्धान्तों के आधार पर, देश व करोड़ों गरीबों व आमजन के हित में होनी चाहिए, जो कि खासकर पिछले कुछ सालों से सही से देखने को नहीं मिल रहा है, जबकि देश के सामने कई आन्तरिक एवं बाहरी चुनौतियां हैं।

उन्होंने कहा कि देश के उच्च सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी सार्वजनिक तौर पर की जा रही हैं उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, वह अति-दुखद व चिंतनीय है। इसी क्रम में अभी बिहार में भी जो कुछ देखने व सुनने को मिला है, वह देश की चिन्ता को बढ़ाने वाला है।

मायावती ने कहा कि बसपा शुरू से ही सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त और नीति पर आयरन दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ पार्टी व सरकार चलाने का साहस दिखाने वाली पार्टी होने के कारण किसी भी प्रकार की दूषित राजनीति के खिलाफ है और दूसरों से भी यही उम्मीद करती है कि वे देश व आमजन के हित में घिनौनी स्वार्थ की राजनीति करने से दूर रहें और एक-दूसरे को जबरदस्ती नीचा दिखाने की सस्ती राजनीति से देश का माहौल खराब ना करें तो बेहतर है।

उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान का उल्लेख करते हुए कहा कि आदर्श कल्याणकारी भारतीय संविधान, भारत के करोड़ों लोगों के हित, सुरक्षा व उनके आत्म-सम्मान को सर्वोपरि मानते हुए हर संवैधानिक संस्था को अपनी-अपनी तय सीमा में रहकर कार्य करने अर्थात उन सबके लिए चेक एण्ड बैलेन्स की गारण्टी तय की है, जिस पर सही से अमल करके ही हालात को बिगड़ने से बचाया जा सकता है।

# बिहार एसआईआर को लेकर स्टालिन का आरोप, ऐसी प्रक्रिया तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रक्रिया तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए, और लोगों को बिहार की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सीएम स्टालिन ने इस विरोध में विपक्षी इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया है। उनका तर्क है कि एसआईआर से समाज का एक बड़ा वर्ग मताधिकार से वंचित होगा। वह हाल ही में राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा में भाग लेने के लिए बिहार गए थे, जहाँ उन्होंने तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य जैसे अन्य नेताओं के साथ मंच साझा किया था।

स्टालिन ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को एक कठपुतली बताया है। उन्होंने भाजपा पर चुनाव आयोग को रिमोट कंट्रोल से चलाने और बिहार के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव निष्पक्ष हो जाएं तब एनडीए हार जाएगा। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने वोट चोरी का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। स्टालिन ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा उन पर हमला कर रही है क्योंकि उन्होंने चुनावों को मज़ाक बनाने के भाजपा के प्रयासों को उजागर कर दिया है। वोट अधिकार यात्रा जारी है। यह अभियान अब अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है, जिसमें राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी जैसे नेता शुक्रवार को बेतिया में शामिल हुए।

उन्होंने आगे कहा कि कल, मैं अगले सप्ताह के लिए जर्मनी और इंग्लैंड जा रहा हूँ। तमिलनाडु ने हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार की नीतियों के माध्यम से 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है।

# ट्रंप टैरिफ के बीच पुतिन और जिनपिंग के साथ बैठक को तैयार पीएम मोदी...दुनिया की नजर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं, जहाँ वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अहम द्विपक्षीय बैठकें करने वाले है। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की विदेश नीति में एक संतुलनकारी कदम है, खासकर अमेरिका में ट्रंप प्रशासन से बढ़ते आर्थिक और कूटनीतिक तनाव के कारण ऐसी परिस्थिति बनी है। वहीं इस घटनाक्रम पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है। मजेदार बात ये हैं कि भारत और चीन की इस दोस्ती से अमेरिका को चिढ़ हो रही है। इसलिए अमेरिकी प्रशासन के कई सारे अधिकार इस मुलाकात को लेकर अपना विरोध जता रहे है। अमेरिका के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही है। क्योंकि ट्रंप के टैरिफ वॉर ने गलवान विवाद के बाद एक-दूसरे से दूर रहे भारत और चीन को एकसाथ ला दिया है।

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा

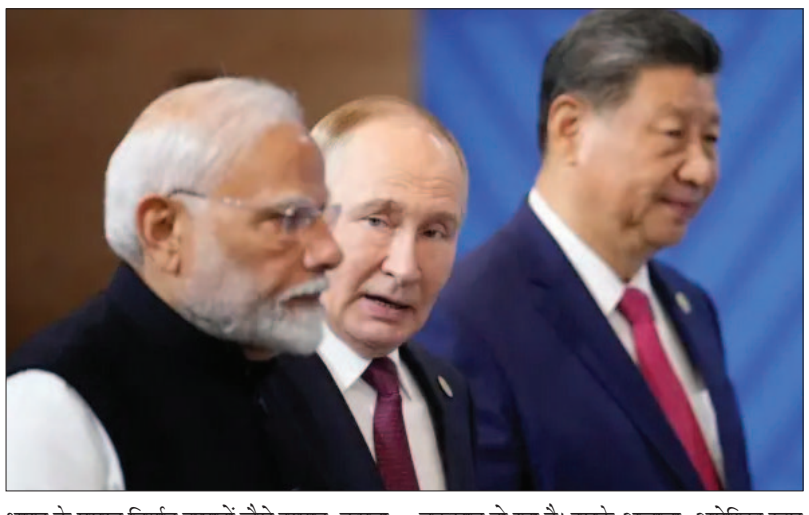

भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे इस्पात, कपड़ा और कृषि उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक के भारी टैरिफ लगाने से भारत के निर्यातकों को काफी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, अमेरिका रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर दबाव डाल रहा है, जिसमें भारत भी शामिल है। यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा है, जिससे अमेरिका-भारत संबंधों में तनाव बढ़ा है।

वहीं जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच काफी तनाव रहा था। हालाँकि, अब दोनों देश सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के जरिए तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं। पीएम मोदी की जिनपिंग से यह मुलाकात इस बात का संकेत है कि भारत-चीन संबंधों में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

इतना ही नहीं रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद, भारत और रूस अपनी पारंपरिक साझेदारी को आगे बढ़ रहे हैं। पुतिन और मोदी के बीच बैठक में भारत-रूस-चीन के बीच त्रिपक्षीय बातचीत को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हो सकती है। रूस के लिए भारत एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, और यह बैठक दोनों देशों के बीच आर्थिक, रक्षा और कूटनीतिक सहयोग को गहरा करने के लिए महत्वपूर्ण है।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक महत्वपूर्ण मंच है, इसमें 20 से ज्यादा देश शामिल हैं। यह क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और राजनीतिक संवाद को बढ़ावा देता है। चीन इस मंच का उपयोग अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने और रूस को कूटनीतिक समर्थन देने के लिए करता है। वहीं, भारत के लिए यह मंच अपनी बहुपक्षीय नीति को मजबूत करने और वैश्विक परिदृश्यों में खुद को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करने का अवसर है।

इन बैठकों के जरिए, भारत अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका के साथ आर्थिक तनाव के बावजूद, भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम है और चीन व रूस जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। यह बैठकें भारत की भविष्य की विदेश नीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

# रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में जियो आईपीओ पर हो सकता है बड़ा ऐलान

## - रिलायंस इंडस्ट्रीज की 48वीं वार्षिक आम बैठक शुक्रवार दोपहर 2 बजे

**मुंबई ।**

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) शुक्रवार को अपनी 48वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित कर रही है। दोपहर 2 बजे होने वाली इस वर्चुअल बैठक पर देश-विदेश के निवेशकों और विश्लेषकों की पैनी नजर बनी हुई है। इस बैठक में जियो और रिटेल बिजनेस के आईपीओ की संभावित घोषणा को लेकर उत्सुकता है। साथ ही ग्रीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उत्तराधिकार योजना पर भी अपडेट मिलने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार जियो अब परिपक्वता की स्थिति में है और उसकी स्थिर कैश फ्लो स्थिति आईपीओ के लिए उपयुक्त माहौल बना रही है। वहीं, रिलायंस की ग्रीन एनर्जी योजनाओं जैसे ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी निर्माण और इलेक्ट्रोलाइज़र प्रोजेक्ट्स को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी जा सकती है। एजीएम में मुकेश अंबानी द्वारा जियो ब्रेन एआई प्लेटफॉर्म, रिटेल विस्तार और कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति पर भी प्रकाश डाला जा सकता है। कंपनी पहले ही वित्त वर्ष 25 के लिए 5.50 प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित कर चुकी है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 14 अगस्त थी। रिलायंस के शेयर इस बैठक से पहले हल्की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। पिछले वर्षों की एजीएम में निवेशकों को ज्यादा बड़ी घोषणाएं नहीं मिली थीं, लेकिन इस बार बाजार में एक सकारात्मक सरप्राइज की उम्मीद जताई जा रही है। एजीएम में लिए गए निर्णयों का सीधा असर शेयर बाजार की चाल और निवेशकों की रणनीति पर पड़ेगा।

# इस साल की पहली छमाही में टैबलेट बाजार 32 फीसदी गिरा

## - सिर्फ 21.5 लाख टैबलेट बिक पाए

**नई दिल्ली ।**

साल 2025 की पहली छमाही में भारत के टैबलेट पीसी बाजार को बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। एक बाजार शोध फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में टैबलेट की बिक्री में 32.3 प्रतिशत की कमी आई और सिर्फ 21.5 लाख टैबलेट ही बिक पाए। रिपोर्ट के मुताबिक इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह सरकार द्वारा चलाई जा रही कुछ योजनाओं में कटौती रही है। पहले इन योजनाओं के तहत स्कूलों और सरकारी दफ्तरों के लिए बड़ी संख्या में टैबलेट खरीदे जाते थे, लेकिन अब इस मांग में भारी गिरावट देखी गई है।

हालांकि कुल बाजार गिरा लेकिन डिटैचेबल (कीबोर्ड से अलग होने वाले) टैबलेट की बिक्री में 18.9 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। इसके उलट, साधारण स्लेट टैबलेट की बिक्री में 44.4 प्रतिशत गिरावट आई, जिससे कुल बाजार प्रभावित हुआ। ब्रांड के लिहाज से सैमसंग ने 41.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाज़ार में अपनी पहली पोजिशन बनाए रखी। कंपनी की सफलता के पीछे सरकारी स्कूलों के प्रोजेक्ट और ऑनलाइन बिक्री अभियानों का बड़ा योगदान रहा।

लेनोवो 12.3 फीसदी और एप्पल 11.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। रिपोर्ट के अनुसार सैमसंग ने वाणिज्यिक और घरेलू दोनों क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे दूसरी तिमाही में उसकी हिस्सेदारी 40.8 प्रतिशत रही।

इस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सरकारी नीतियों में बदलाव का टेक्नोलॉजी बाजार पर गहरा असर पड़ता है।

# अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी का भारतीय शेयर बाजार पर असर

## निवेशकों को घरेलू सेक्टर पर फोकस करने की सलाह

**नई दिल्ली ।**

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारत से आयातित कई उत्पादों पर 50 फीसदी तक टैरिफ बढ़ा दिया है। यह एशिया में सबसे अधिक है और इससे खासकर टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग गुड्स, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, श्रिम्प और कारपेट इंडस्ट्री प्रभावित होंगी। इससे भारतीय निर्यात आधारित कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। अगस्त की शुरुआत में 25 फीसदी टैरिफ लागू होने के बाद से एफएमसीजी, रियल एस्टेट, प्राइवेट व पब्लिक सेक्टर बैंक जैसे घरेलू सेक्टर भी कमजोर प्रदर्शन कर रहे हैं। निवेशक वित्त वर्ष 26 के कमजोर नतीजों और टैरिफ के बढ़ने से वेट एंड वॉच की नीति अपना रहे हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार, ऑटो, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे सुरक्षित सेक्टर भी बिकवाली का सामना कर रहे हैं। सौविलो इन्वेस्टमेंट के संदीप अग्रवाल कहते हैं कि विदेशी निवेशक लगातार पैसा निकाल रहे हैं, इसलिए फिलहाल घरेलू कंपनियों में भी सावधानी से निवेश करें। विश्लेषक सलाह देते हैं कि निवेशक घरेलू अर्थव्यवस्था से जुड़े सेक्टरों पर ध्यान दें, खासकर हॉस्पिटल्स और नई टेक कंपनियों में निवेश बेहतर रहेगा। फेस्टिव सीजन और जीएसटी 2.0 से घरेलू मांग बढ़ सकती है, जो बाजार को समर्थन देगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर सबसे ज्यादा असर होगा क्योंकि यह अमेरिकी बाजार पर निर्भर है। हालांकि आईटी फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स पर टैरिफ का असर सीमित रहेगा। निवेशकों को इस समय निर्यात सेक्टर में निवेश करने में सावधानी बरतनी चाहिए। टैरिफ बढ़ोतरी और कमजोर आर्थिक संकेतों के बीच निवेशकों को जल्दबाजी करने की बजाय धैर्य से बेहतर अवसर का इंतजार करना चाहिए और घरेलू मांग पर आधारित सेक्टरों में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए।

# उर्जित पटेल बने आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक

## भारत को वैश्विक मंच पर मिलेगी नई मजबूती

**नई दिल्ली ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है और वे यह पद तीन वर्षों तक संभालेंगे। वे के.वी. सुब्रमण्यम का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल अप्रैल 2025 में पूरा होना था लेकिन समय से पहले समाप्त हो गया। उर्जित पटेल ने सितंबर 2016 में रघुराम राजन के बाद आरबीआई के 24वें गवर्नर का पद संभाला था। दिसंबर 2018 में उन्होंने निजी कारणों से इस्तीफा दे दिया। उनके कार्यकाल के दौरान मुद्रास्फीति नियंत्रण के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) को 4 फीसदी के लक्ष्य पर केंद्रित करने की नीति बनाई गई, जिसे आज भी भारत में अपनाया जाता है। इसके अलावा, 2016 की नोटबंदी के दौरान भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई।

उर्जित पटेल का जन्म केन्या में हुआ था। उन्होंने येल यूनिवर्सिटी से पीएचडी, ऑक्सफोर्ड से एम फिल और लंदन यूनिवर्सिटी से बीएससी की पढ़ाई की। उन्होंने आईएमएफ में 1990 में करियर की शुरुआत की और भारत, अमेरिका, म्यांमार सहित कई देशों के लिए कार्य किया। निजी क्षेत्र में भी वे रिलायंस इंडस्ट्रीज आईडीएफसी और अन्य कंपनियों से जुड़े रहे। आईएमए में कार्यकारी निदेशक नीति निर्धारण और संस्थान के रोजमर्रा के फैसलों में भाग लेते हैं।

# अब मंगलवार को होगी निफ्टी की वीकली एक्सपायरी, सेंसेक्स रहेगा गुरुवार को

**मुंबई ।** भारतीय शेयर बाजार में 25 साल बाद एक ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निफ्टी की वीकली एक्सपायरी का दिन गुरुवार से बदलकर मंगलवार कर दिया है। यह बदलाव 28 अगस्त 2025 से लागू हो गया है। अब पहली मंगलवार एक्सपायरी 2 सितंबर 2025 को होगी। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने सेंसेक्स की एक्सपायरी गुरुवार को ही बनाए रखने का फैसला किया है। डेरिवेटिव्स मार्केट में यह बदलाव बड़े असर वाला है। अब निफ्टी ऑप्शंस की एक्सपायरी सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को होगी, जिससे ट्रेडर्स को नई रणनीतियां बनानी होंगी। वहीं, सेंसेक्स की एक्सपायरी गुरुवार को होने से दोनों प्रमुख इंडेक्स की एक्सपायरी अलग-अलग दिनों पर होगी। गौरतलब है कि निफ्टी फ्यूचर्स की शुरुआत 12 जून 2000 को हुई थी और तब से मंथली एक्सपायरी हर महीने के आखिरी गुरुवार को होती थी। दिसंबर 2019 में वीकली एक्सपायरी शुरू हुई थी, जिसे गुरुवार को रखा गया था। एनएसई और बीएसई के बीच एक्सपायरी डे को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ गई थी। एनएसई ने पहले निफ्टी की एक्सपायरी सोमवार को करने की योजना बनाई थी, लेकिन सेबी के हस्तक्षेप के बाद इसे मंगलवार किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग में नई रणनीतियां, वोलैटिलिटी और ट्रेडिंग पैटर्न उभर सकते हैं। अब ट्रेडर्स को एक्सपायरी के हिसाब से सप्ताह में दो बार प्रमुख मूवमेंट्स का सामना करना पड़ेगा, मंगलवार को निफ्टी और गुरुवार को सेंसेक्स।

# यांगवांग यू 9 के ट्रैक-फोकस्ड वर्जन कार से नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

**नई दिल्ली ।** बीवायडी कंपनी ने अपनी हाइपरकार यांगवांग यू 9 के ट्रैक-फोकस्ड वर्जन से नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। जर्मनी के ऑटोमोटिव टेस्टिंग पापेनबर्ग ट्रैक पर इस कार ने 472.41 किमी/घंटा की टॉप स्पीड हासिल की, जो रीमैक नेवेरा आर के पिछले 431.45 किमी/घंटा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ती है। इसके साथ ही यांगवांग यू 9 दुनिया की सबसे तेज इलेक्ट्रिक कार बन गई है। पिछले साल इसका स्टैंडर्ड वर्जन 391.94 किमी/घंटा की रफ्तार तक पहुंचा था, लेकिन नया ट्रैक मॉडल लगभग 80 किमी/घंटा तेज साबित हुआ। जर्मन रेसिंग ड्राइवर मार्क बैसेंग ने इस कार को चलाया। इसमें चार इलेक्ट्रिक मोटर्स लगी हैं, जिनमें से हर एक 555 किलोवाट (755 पीएस) पावर देती है। संयुक्त रूप से यह कार 3,000 पीएस से ज्यादा ताकत पैदा करती है और इसका पावर-टू-वेट अनुपात 1,200 पीएस प्रति टन है। कार में डीसस-एक्स इंटेलिजेंट बॉडी कंट्रोल सिस्टम, एडवांस्ड टॉर्क वेक्टरिंग और विशेष थर्मल मैनेजमेंट जैसी तकनीकें दी गई हैं। साथ ही यह बड़े पैमाने पर उत्पादित 1200वी अल्ट्रा-हाई-वोल्टेज प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाली दुनिया की पहली ईवी है।

# यात्री वाहनों की बिक्री चालू वित्त वर्ष में एक से चार फीसदी बढ़ने का अनुमान

**मुंबई ।** घरेलू यात्री वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष 2025-26 में थोक बिक्री में एक से चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को कहा कि मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) द्वारा स्थिर पेशकश और जीएसटी दर में संभावित कटौती से चुनिंदा क्षेत्रों में मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। केंद्र ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) के समक्ष पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना के साथ-साथ कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा है। देश की प्रमुख मोटर वाहन कंपनियां सोमवार (एक सितंबर) को अगस्त महीने की बिक्री के आंकड़े जारी करेंगी। इक्रा ने कहा कि जुलाई में थोक बिक्री में क्रमिक आधार पर 8.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि ओईएम ने त्योहारों के मद्देनजर पहली की खेप तैयार कर ली। हालांकि बिक्री की मात्रा सालाना आधार पर 3.4 लाख इकाइयों पर स्थिर रही। खुदरा बिक्री में भी क्रमिक आधार पर 10.4 प्रतिशत का सुधार हुआ, लेकिन यह सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत कम रही। इसमें कहा गया कि एसयूवी का दबदबा बना हुआ है, जो कुल यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री में 65-66 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। साथ ही निकट भविष्य में यूटिलिटी वाहनों के वृद्धि का प्रमुख चालक बने रहने की उम्मीद है।

# भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करना चाहता है कतर- गोयल

नई दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा और कतर भी भारत के साथ ऐसे समझौते पर बातचीत करने को इच्छुक है। उन्होंने निर्यातकों को व्यापार के मोर्चे पर किसी देश की एकतरफा कार्रवाई के कारण उत्पन्न मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं से निपटने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। गोयल ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से घरेलू खपत को बढ़ावा मिलेगा।केंद्र ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) के समक्ष पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना के साथ-साथ कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा है। मंत्री ने हाल ही में आयो जित कार्यक्रम में कहा कि इस साल हमारा निर्यात पिछले साल से अधिक रहेगा। उन्होंने कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा और कतर भी एक व्यापार समझौता करना चाहता है। सऊदी अरब भी इच्छुक है। गोयल ने साथ ही बताया कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे आज ज्यादातर सूचकांकों में गिरावट रही। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 320.10 अंक नीचे आकर 55,727.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 67.35 अंक टूटकर 17,227.00 पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 270.92 अंक टूटकर 78,809.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 74.05 अंक नीचे आकर 24,426.85 पर बंद हुआ।

आज बाजार के ज्यादातर इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। वाहन, आईटी, रियल्टी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर एफएमसीजी, मीडिया, डिफेंस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। सेंसेक्स पैक में आईटीसी, बीईएल, ट्रेंट, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, सनफार्मा, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड सबसे अधिक लाभ में थे। वहीं एमएंडएम, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे भी बाजार पर दबाव आया।। आज इक्विटी बेंचमार्क का प्रदर्शन कमजोर रहा, वही एफएमसीजी क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन जल्दी ही बाजार में तेजी लौट आई। सेंसेक्स 70 अंकों की गिरावट के साथ 80,010 पर खुला पर जल्द ही यह 197 अंकों की बढ़त के साथ 80,277.90 पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 50 ने 24,466 से शुरुआत की और बढ़कर 24,530 पर कारोबार करने लगा। वैश्विक बाजारों की बात करें तो हांगकांग और चीन के बाजारों में तेजी रही, जबकि जापान और दक्षिण कोरिया के बाजारों में हल्की कमजोरी दर्ज की गई। अमेरिका में एसएंडपी 500 और नेस्डेक रिकॉर्ड स्तरों पर बंद हुए। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। मेनलैंड चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.12 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.39 फीसदी बढ़ा। हालांकि, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.04 फीसदीनीचे रहा। टोक्यो कोर कंज्यूमर वैल्यू इंडेक्स (सीपीआई) में एक साल पहले की तुलना में 2.5 फीसदी की वृद्धि के बाद जापान का निक्केई भी 0.39 फीसदीगिर गया। देश की बेरोजगारी दर भी जुलाई में घटकर 2.3 फीसदी रह गई, जो पिछले महीने 2.5 फीसदी थी।वॉल स्ट्रीट इंडेक्स एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स रिकॉर्ड हाई एंड पर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स और टेक्नॉलिजी फोकस नैस्डैक क्रमशः 0.32 फीसदी और 0.53 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

# इंडियन बेवरेज का सरकार से सॉफ्ट ड्रिंक पर जीएसटी घटाने का आग्रह

**नई दिल्ली ।** कोका-कोला, पेप्सिको जैसी कंपनियों के निकाय इंडियन बेवरेज एसोसिएशन ने सरकार से कोल्ड ड्रिंक और अन्य पेय पदार्थों पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत करने का अनुरोध किया है। वर्तमान में इन पेय पदार्थों पर 28 प्रतिशत जीएसटी और अहितकर वस्तुओं के मामले में लगने वाले 12 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगता है। जीएसटी में व्यापक सुधारों के तहत सरकार ने जीएसटी को दो स्लैब (पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत) में बदलने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, महंगी कारों और अहितकर वस्तुओं जैसी चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। वर्तमान में, जीएसटी के चार स्लैब 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत हैं। इंडियन बेवरेज एसोसिएशन (आईबीए) ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से उत्पाद अधिक किफायती होंगे, इस क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और 2030 तक सालाना 1.2 लाख नई नौकरियां भी सृजित होंगी। आईबीए ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए सरकार की सराहना करते हुए कहा कि पुनर्वर्गीकरण, जीएसटी युक्तिसंगत बनाने और इस श्रेणी को एक मानक जीएसटी दर में रखने से इस क्षेत्र की वास्तविक क्षमता का पता चलेगा, जिससे निवेश, रोजगार, किसानों को समर्थन और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। कोका-कोला, पेप्सिको, रिलायंस, बिसलेरी, डाबर और रेड बुल जैसी प्रमुख कंपनियां आईबीए के सदस्य हैं। आईबीए ने कहा कि जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने से 2030 तक सालाना 1.2 लाख नए रोजगार पैदा हो सकते हैं, जिससे ग्रामीण आजीविका को और बढ़ावा मिलेगा। हाल के वर्षों में, इस क्षेत्र ने 50,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है और 85,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश की योजना बना रहा है।

# महिंद्रा ने अपना एनयू-आईक्यू मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पेश किया

**नई दिल्ली ।**

हाल ही में महिंद्रा ने अपना एनयू-आईक्यू मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पेश किया है। नई एसयूवीएस को फ्लेक्स फ्यूल इंजन के साथ तैयार किया जाएगा। शुरुआती दौर में इन्हें खासतौर पर ई 30 फ्यूल के हिसाब से ट्यून किया जाएगा। इथेनॉल के इस्तेमाल के लिए इंजनों में खास बदलाव जरूरी होते हैं। इसके लिए गाड़ियों में इथेनॉल सेंसर्स लगाए जाते हैं, जो फ्यूल ब्लेंड की मात्रा मापते हैं।

ठंडे मौसम में इंजन आसानी से स्टार्ट हो सके, इसके लिए फ्यूल रेल और इंजेक्टर हीटर्स का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही इंजन के पार्ट्स को ऐसे मटेरियल से बनाया जाता है, जो इथेनॉल के असर को झेल सके। महिंद्रा के अलावा अन्य कंपनियां भी इस टेक्नोलॉजी पर काम कर रही हैं। मारुति सुजुकी वैगनआर का फ्लेक्स फ्यूल प्रोटोटाइप ला चुकी है, टाटा पंच का ई 85-रेडी मॉडल ला रही है, हुंडई क्रेटा फ्लेक्स फ्यूल इंजन पर काम कर रही है और टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को ई 20-रेडी बना रही है।

फ्लेक्स फ्यूल इंजन ग्राहकों और सरकार दोनों के लिए फायदेमंद रहेंगे। उपभोक्ताओं को सस्ता ईंधन मिलेगा, वहीं देश की पेट्रोल पर निर्भरता घटेगी और प्रदूषण में कमी आएगी। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर अब वैकल्पिक ईंधन की ओर बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक देशभर में ई 30 फ्यूल यानी 30 प्रतिशत इथेनॉल और 70प्रतिशतपेट्रोल का मिश्रण लागू किया जाए। इसी दिशा में महिंद्रा ने अपनी आने वाली एसयूवी में फ्लेक्स फ्यूल इंजन लाने की घोषणा की है। फ्लेक्स फ्यूल इंजन ऐसे पेट्रोल इंजन होते हैं जो पेट्रोल के अलावा इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल जैसे ई 20 और ई 30 पर भी आसानी से चल सकते हैं।

# सोने की कीमतों में तेजी, चांदी में गिरावट

**मुंबई ।** सोने की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,02,136 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही है। चांदी की बात करें तो इसमें 0.09 फीसदी की गिरावट आई है, ये 1,17,068 रुपए प्रति किग्रा पर है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत 300 रुपए बढ़कर 1,01,570 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा, कमजोर डॉलर, फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कमी की उम्मीद और शुल्क घटनाक्रमों ने कीमतों में उतार-चढ़ाव को बढ़ावा दिया है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,01,270 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना गुरुवार को 200 रुपए बढ़कर 1,01,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। बुधवार को यह 1,00,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को चांदी की कीमत अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर 1,20,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित रहीं।

# हॉकी एशिया कप: चीन को हराकर भारत की एशिया कप में धमाकेदार शुरुआत, हरमनप्रीत की हैट्रिक

**राजगीर (एजेंसी)।** भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन पुरुष हॉकी टीम के एशिया कप के पहले मैच में कमजोर चीन के खिलाफ प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि टीम ने अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में 23वें नंबर के चीन के खिलाफ 4-3 की संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की।

फुल्टन ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमारे लिए मैच का पहला हाफ अच्छा था, हम अच्छी स्थिति में थे और फिर कुछ गलतियां कीं। हमारे पास सुधार करने का मौका था। यह अच्छा रहा कि दूसरे हाफ में हमें कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले और हमने उन्हें गोल में बदला। पेनल्टी स्ट्रोक चूकना दुर्भाग्यपूर्ण था।'

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले लेकिन दूसरे हाफ में एक पेनल्टी स्ट्रोक पर चूक गए। फल्टन ने कहा, 'हम खेल जीतने के लिए तो अच्छा खेले, लेकिन अपनी उम्मीदों के हिसाब से नहीं खेले। यह टूर्नामेंट का पहला मैच था। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ गोल भी खाये लेकिन यह देखना अच्छा था कि टीम ने पूरा जोर लगाया।' फुल्टन ने कहा कि मैच में जीत दर्ज करने के बावजूद उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमें तीन अंक मिले।'

उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कम आंकना गलती होगी और शुक्रवार को ऐसा ही दिखा। भारतीय कोच ने कहा, 'मुझे किसी भी टीम से संघर्ष की उम्मीद है। हम टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार हैं, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कई मैच देखे हैं जहां आप अच्छा नहीं खेलते, लेकिन जीत जाते हैं और जीत हासिल करना ही सबसे जरूरी है।'

हरमनप्रीत ने कहा कि चीन के खिलाफ मैच से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'यह एक कठिन मैच था, लेकिन जीतना जरूरी था। आखिरी सीटी तक हम संघर्ष करते रहे। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम

की रक्षा पंक्ति को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर टीमें जवाबी हमला करने का इंतजार करती है। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी रक्षापंक्ति मजबूत रहे।'

## एशियाई निशानेबाजी: मानिनी को 50 मीटर राइफल प्रोन में कांस्य, महिला टीम ने जीता रजत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** शिमकेंट = युवा भारतीय निशानेबाज मानिनी कौशिक ने शुक्रवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने के साथ ही टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने में भी अहम भूमिका निभाई। मानिनी का व्यक्तिगत स्पर्धा में यह पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है।

जयपुर की 24 साल की इस निशानेबाज ने 617.8 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया की हाना इम (620.2) और यूनसेओ ली (620.2) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। मानिनी ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया था, लेकिन उनसे आगे रहने वाले दो निशानेबाज दक्षिण कोरिया की येलीन चोई (620.1) और भारत की सिफ्त कौर सामरा (617.9) सिर्फ रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। आरपीओ निशानेबाज केवल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। मानिनी ने 10-10 शॉट के छह सीरीज में 104.0, 103.8, 101.2, 103.3, 103.2 और 102.3 का स्कोर किया। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन(गैर-ओलंपिक स्पर्धा) में टीम को रजत पदक दिलाने में भी मदद की। मानिनी (617.8), सुरभि भारद्वाज (614.4) और विनोद विदर्सा (613.8) की तिकड़ी ने कुल 1846 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। दक्षिण कोरिया (1856.8 अंक) ने स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाकिस्तान 1828.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भारत की प्राची गायकवाड़ ने 616.6 के स्कोर के साथ जूनियर महिला 50 मीटर राइफल प्रोन में रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक दक्षिण कोरिया की सेही ओह (618.6) ने जीता, जबकि कांस्य कजाकिस्तान की सोफिया मलकिना (616.3) को मिला। प्राची (616.6), अनुष्का ठेकुर (607.6) और तेजल नथावत (599.2) की तिकड़ी ने कुल 1823.4 के साथ टीम कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया (1844 अंक) के साथ ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान (1830.1) ने रजत पदक अपने नाम किया।

## एशिया कप के लिए बीसीसीआई का बड़ा फैसला, पांच खिलाड़ी नहीं जाएंगे दुबई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने फैसला किया है कि एशिया कप 2025 के लिए 5 स्टैंडबाय खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग और ध्रुव जुरेल मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को ग्रुप ए में श्र के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 और 19 सितंबर को क्रमशः पाकिस्तान और ओमान के खिलाफ मैच होंगे। BCCI ने इस महीने की शुरुआत में 15 सदस्यीय एक मजबूत टीम की घोषणा की थी जिसमें शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाना गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार जायसवाल, प्रसिद्ध, सुंदर, पराग और जुरेल 9 सितंबर से शुरू होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। पीटीआई ने BCCO के एक सूत्र के हवाले से कहा, 'नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।' आमतौर पर तय की गई परंपरा से हटकर खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से अलग-अलग समय पर दुबई पहुंचेंगे, जबकि अन्य मौकों पर टीम रवाना होने से पहले मुंबई में इकट्ठा होती थी। यह निर्णय खिलाड़ियों की यात्रा की सुविधा और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'सभी खिलाड़ी 4 सितंबर की शाम तक दुबई पहुंच जाएंगे और पहला नेट्स सत्र 5 सितंबर को ICC अकादमी में होगा। व्यवस्थाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने शहरों से दुबई आने की अनुमति दी जाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'जाहिर है कि कुछ लोग मुंबई से यात्रा करेंगे, लेकिन कुछ अन्य लोगों से पहले मुंबई आने और फिर दुबई जाने के लिए कहना बेतुका है। वैसे भी दुबई की उड़ान अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की तुलना में कम समय की है।'

### एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा

## बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, राजीव शुक्ला बने कार्यवाहक अध्यक्ष

**मुम्बई (एजेंसी)।** राजीव शुक्ला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यवाहक अध्यक्ष बने हैं। इससे पहले रोजर बिन्नी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। अब नए अध्यक्ष का चुनाव होने तक शुक्ला ही बीसीसीआई के प्रमुख रहेंगे। वह पिछले काफी समय से उपाध्यक्ष पद संभाल रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को बीसीसीआई की एपेक्स कमिटी की शीर्ष परिषद की बैठक की अध्यक्षता भी शुक्ला ने ही की थी। इस बैठक में प्रायोजक का मामला भी उठा। इसके तहत ड्रीम11 के हटने के बाद नये प्रायोजक की तलाश को लेकर भी बाह हुई।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नही है क्योंकि उसमें अब दो सप्ताह का समय ही है। इससे पहले नई निविदा निकालना, कानूनी प्रक्रिया का पालन करना और बाकी तकनीकी चीजों को पूरा करना संभव नहीं है। केवल एशिया कप के लिए अलग प्रायोजक लाने की संभावना को भी बोर्ड ने खारिज कर दिया।। बोर्ड का लक्ष्य 2027 के एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए प्रायोजक लाने का है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून बन जाने के बाद भी बीसीसीआई को अगले महीने अपनी सालाना आम बैठक करने के साथ ही चुनाव भी कराने की आजादी है।

बीसीसीआई चुनाव में देर नहीं करना चाहेगी। इसका कारण है कि सरकार ने जो खेल कानून बनाया है, अभी उसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। उसे अधिसूचित होने में कुछ महीने लग सकते हैं इसी को देखते हुए बीसीसीआई चुनाव नहीं टालेगी ताकि तय समय से पहले नया अध्यक्ष कामकाज संभाल ले। अभी बीसीसीआई का प्रशासन लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बने संविधान के हिसाब से चलता है। ऐसे जब तक संसद से पारित नए खेल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, तब तक बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों को

उसी संविधान से काम करना होगा। वर्तमान कानून के तहत 70 साल की उम्र में बोर्ड में किसी पद पर नहीं रहा जा सकता। इसी कारण बिन्नी को इस्तीफा देना पड़ा था।

## रोहित और विराट को गेंदबाजी करना सबसे कठिन रहा : वुड

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा है कि अपने करियर के दौरान उनके लिए भारतीय टीम के रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मिशेल मार्श को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल रहा है। वुड ने रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें लगता था कि वह शॉर्ट गेंदों के साथ रोहित के खिलाफ सफल हो सकते हैं पर ऐसा नहीं हुआ और रोहित ने उन गेंदों पर कई लंबे छक्के लगा दिये थे। वुड ने कहा, अपने करियर के अलग-अलग अवसरों पर मैंने रोहित की क्षमता देखी है। शार्ट गेंद के सामने आपको लगता है कि उन्हें आउट करने का अवसर है पर अगर वो उस दिन लय में हो तो वह आक्रामक बल्लेबाजी करते है। इसलिए उन्हें आउट करना कठिन था। मुझे हमेशा लगता था कि उनका बल्ला बड़ा होता जा रहा है। रोहित के साथ ही वुड ने विराट कोहली को भी सबसे कठिन बल्लेबाज बताया है। वुड ने कहा कि कोहली अपने करियर के शुरुआती दौर में ऑफ स्टंप के बाहर कमजोर रहे हैं पर मैं उससे लाभ नहीं उठा पाया। वुड ने साथ ही कहा, कोहली अविश्वसनीय प्रतिस्पर्धी रहे, ऐसा खिलाड़ी जिसके बारे में मुझे लगता था कि चौथे और पांचवे स्टंप पर उसकी कमजोरी है। लेकिन जब भी मैंने उसे वहां गेंदे फेंकी, तो वह एक भी गेंद छोड़ते नहीं दिखे।

## पाक टीम एशिया कप के फाइनल में नहीं पहुंचेगी : कनेरिया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि पाक टीम अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के फाइनल में नहीं नहीं पहुंचेगी। यूएई में स्पिनरों की सहायक पिचों पर होने जा रहे एशिया कप में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है। टूर्नामेंट शुरु होने से पहले कई दिग्गज क्रिकेटरों ने इसको लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। वहीं इसी कड़ी में पाक के पूर्व स्पिनर कनेरिया ने कहा है कि उनकी टीम पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम फाइनल में पहुंचेगी जहां उसका मुकाबला अफगान टीम से होगा। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। ऐसे में संभावना जतायी जा रही है कि इस ग्रुप से यही दोनों टीमें सुपर 4 में जाएंगी। ग्रुप स्टेज में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 सितंबर को है। वहीं अगर दोनों सुपर-4 में पहुंची तो दूसरा मैच इन दोनों टीमों के बीच 21 सितंबर को होगा। वहीं कनेरिया को नहीं लगता कि इस बार पाक सुपर 4 तक पहुंचेगी।

## धवन ने खेल दिवस पर दिया विशेष संदेश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भेजी इसमें धवन ने लिखा जितना अधिक खेलोगे, उतना अधिक सीखोगे, उतना अधिक जीतोगे। पूर्व सलामी बल्लेबाज धवन ने इसके साथ ही क्रिकेट, फुटबॉल, पूल, घुड़सवारी और यहां तक कि पिकलबॉल खेलते हुए क अपनी तस्वीरें भी प्रशंसकों के साथ शेयर की हैं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने प्रशंसकों को खेलों में अलग-अलग तरीकों से सक्रिय रहने के अपने जुनून से भी परिचित कराया। उनके खेलों को लेकर दिये संदेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खेल जीवन के विभिन्न सबक सिखाते हैं, इसमें बताया गया है कि प्रत्येक खेल और मैच व्यक्तिगत विकास और लचीलेपन में योगदान देता है। धवन की पोस्ट न केवल अपनी जीवंत तस्वीरों के लिए, बल्कि व्यापक संदेश के लिए भी प्रशंसकों के दिलों में छायी है। इसमें ये संदेश है कि खेल केवल स्टेडियमों तक सीमित नहीं हैं; ये अनुशासन, टीम वर्क और क्षमताओं को बताते हैं। गौरतलबह कि हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के सम्मान में 29 अगस्त को हर साल राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। ये खेलों की एकजुटता, प्रेरणा और उत्थान की शक्ति की याद दिलाता है। राष्ट्रीय खेल दिवस स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल उत्कृष्टता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के एक मंच के रूप में विकसित हुआ है। साल 2019 में फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत के साथ यह दिन एक व्यापक फिटनेस क्रांति में बदल गया है।

## यह संदेश हर किसी तक स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए, शुभमन गिल की कप्तानी पर बोले पठान

**भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)।** स्पोर्ट्स डेस्क = रोहित शर्मा के संन्यास के बाद जब शुभमन गिल को भारत का नया टेस्ट कप्तान घोषित किया गया तो कुछ लोगों ने हैरानी जताई थी, खासकर यह देखते हुए कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें कुछ समय के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। हालांकि 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने खुद को एक योग्य कप्तान और भारतीय बल्लेबाजी क्रम का करिश्माई खिलाड़ी साबित किया जिससे टीम को एक ऐतिहासिक सीरीज में 2-2 से बराबरी पर लाया गया और खुद भी इस सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए।

गिल अभी तक टी20 और वनडे में कप्तान नहीं हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 टीम की कमान संभालते हैं जबकि रोहित शर्मा 50 ओवरों के प्रारूप में कप्तान बने हुए हैं, हालांकि टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि उन्होंने इस साल पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेला

है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि खिलाड़ियों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि लंबे समय में टीम की कमान कौन संभालेगा, भले ही इस समय तीन अलग-अलग कप्तान हों। पठान ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह संदेश हर खिलाड़ी तक, मीडिया या प्रशंसकों से ज्यादा, जोरदार और स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए कि इस ट्रेन का इंजन कौन है ताकि ट्रेन एक ही मंजिल तक पहुंचे, चाहे उसकी गति कितनी भी हो। शुभम गिल की कप्तानी समय के साथ बेहतर होती जाएगी, वह नेतृत्व की कला और सीखेंगे, लेकिन उन्होंने जो किया है वह शानदार है।' गिल को व्यापक रूप से तीनों प्रारूपों में कप्तानी संभालने के लिए तैयार माना जा रहा है। सूर्यकुमार दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन वह 34 साल के हैं जबकि रोहित 38 साल के हैं। पठान को लगता है कि कप्तानी के मामले में भारत ने लंबे समय तक अपनी जगह बना ली है। पठान ने कहा, '(गिल) उनकी बल्लेबाजी क्षमता भी अच्छी है। वह एकदिवसीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और वहां उप-कप्तान हैं। अब टी20 क्रिकेट में जो वह पिछले एक साल से नियमित रूप से खेल रहे थे, वह भी शामिल हैं। चयन समिति ने उनसे चर्चा की थी कि जैसे ही आप टेस्ट क्रिकेट से मुक्त होंगे, आपको वापसी का मौका मिलेगा। मैं समझता हूं कि मीडिया में कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेट एक योजना के अनुसार चलता है और हमेशा से ऐसा ही रहा है। चयन बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है और मुझे लगता है कि एक ही दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है। ऐसा लग रहा है कि भारतीय क्रिकेट इस समय शुभमन गिल के साथ यही कर रहा है।'

## एशिया कप में बुमराह सहित ये तीन खिलाड़ी निभाएंगे अहम भूमिका : सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि अगले माह होने वाले एशिया कप में अभिषेक शर्मा, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती एक्स फैक्टर होंगे। सहवाग के अनुसार भारतीय टीम यूएई में होने वाले इस

टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। सहवाग ने कहा कि तेज गेंदबाज बुमराह के अलावा आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शुरुआत में ही विरोधी टीम पर दबाव बना देंगे। वहीं आईपीएल में मिस्ट्री स्पिनर के नाम से पहचान बनाने वाले वरुण चक्रवर्ती रही सही कसर पूरी कर देंगे। अभिषेक ने अब तक के सफर में भारतीय टीम की ओर से कई आक्रामक पारियां खेली हैं। वहीं वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी में स्पिन गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया था। इससे भारतीय टीम ट्रॉफी जीती थी। सहवाग ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभिषेक और बुमराह व वरुण मैच में बदलाव ला सकते हैं।' बुमराह ने पिछले साल के टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान 15 विकेट लिए थे। 70 टी20आई में, उनके पास 17.74 की औसत से 89 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने 17 मैचों में 193.84 की शानदार स्ट्राइक रेट से 535 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक हैं। वहीं वरुण ने 15 टी20 में 33 विकेट लिए हैं। उनकी फिरकी का सामना करना बड़े-बड़े बल्लेबाजों के बस की बात नहीं होती।

## आईपीएल में जो भी टीम खरीदेगी उससे खेलने के लिए तैयार हैं शमी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में किसी भी टीम से खेलने के लिए तैयार हैं। पिछले साल उन्हें सनराइजर्स ने मेगा नीलामी में 10 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। शमी ने 9 मैच खेले और 56.16 की औसत से केवल 6 विकेट ही ले लिए थे। ऐसे में शमी को लगता है कि आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स उन्हें शायद ही रिटेन करे। इसी को देखते हुए उनका कहना है कि वह किसी भी टीम से खेल सकते हैं। शमी ने कहा, मैं किसी भी टीम के लिए खेलने को तैयार हूं। जो भी मेरे लिए नीलामी में बोली लगायेगा। साथ ही कहा कि मेरे हाथ में कुछ नहीं है। यह आईपीएल है, क्रिकेट का उत्सव और प्रशंसकों के लिए मनोरंजन है। जो भी इसमें आपके लिए बोली लगाए, उसके साथ जाना होगा। गौरतलब है कि शमी ने आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ 2023 सत्र में गुजरात टाइटन्स की ओर से किया था। इस सत्र में उन्होंने 17 मैचो में 18.64 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। इसी सत्र में शमी ने पर्पल कैप भी हासिल की है। अपने पहले ही आईपीएल सत्र 2022 में, उन्होंने 24.40 की औसत से 20 विकेट लिए हैं।

## हसरंगा के बिना ही जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो। श्रीलंका के गेंदबाजी ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने के कारण अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो एकदिवसीय और तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा का अब 9 सितंबर से यूएई में होने वाले एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित कर दी गई है। हसरंगा को जुलाई में

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। वह अभी भी पूरी तरह से चोट से नहीं उबर पाए हैं। गत माह जुलाई से ही हसरंगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं खेल पाये हैं। वह एक अच्छे स्पिनर होने के साथ ही निचले क्रम के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। ऐसे में जिम्बाब्वे दौरे पर टीम के लिए उनकी कमी पूरी करना आसान नहीं होगा। ऐसे में स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी महिश तिक्षाणा और दुनिथ वेल्लालागे के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी टी20 टीम में शामिल किया गया है। लंकाई टीम साल 2008 के बाद पहली बार जिम्बाब्वे जाएगी। एकदिवसीय सीरीज के दो मैच 29 अगस्त और 31 अगस्त को हरारे में होंगे। वहीं, तीन टी20 मैच 3, 6 और 7 सितंबर को हरारे में ही खेले जाएंगे।

**श्रीलंका टी20 टीम इस प्रकार है** = चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, विशेन हलंबगे, दासुन शनाका, दुनिथ वेल्लालागे, चमिका करुणारत्ने, महीश तिक्षाना, दुशान हेमंथा, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा और मथीशा पथिराना।

**श्रीलंकाई एकदिवसीय टीम** = चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, निशान मदुष्का, कुसल मेंडिस, सदीरा समाराविक्रमा, नुवानिडु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानेज, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, मिलन रथनायके, महेश दीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, असिथा फर्नांडो, दुष्मंथा चमीरा और दिलशान मदुशंका।

## औसत से कम प्रदर्शन, नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे

**ज्यूरिख (एजेंसी)।** विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार रात अपने छठे और अंतिम प्रयास में रात का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.01 मीटर भाला फेंका और सीजन के आखिरी डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा दो वैध थ्रो और तीन फाउल के साथ 84.35 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में केशोर्न वालकॉट को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गए। उपविजेता स्थान हासिल करने से भारतीय दिग्गज और मौजूदा विश्व चैंपियन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार 26 बार शीर्ष दो में रहने के अपने अविश्वसनीय क्रम को भी बरकरार रखने में मदद मिली।

अक्टूबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से कुछ हफ्ते पहले आयोजित एक प्रतियोगिता में चोपड़ा पिछले साल जीता गया अपना खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और 84.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जो इस स्विस शहर में 7 खिलाड़ियों के बीच उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से कम था।

गत विजेता चोपड़ा को अपनी लय पाने में संघर्ष करना पड़ा और अपनी तकनीक में गलतियां करते हुए वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष करते रहे। अंतिम विजेता जूलियन वेबर पहले ही दौर में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और विश्व-अग्रणी दूरी हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने जोरदार थ्रो से भाला 91.37 मीटर पर पहुंचा दिया, जो उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ 90.06 मीटर से बेहतर था, जिसने पहले कुछ मिनटों में ही प्रतियोगिता को समाप्त कर दिया।

पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 82.06 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे क्योंकि वेबर को छोड़कर अधिकांश अन्य दो दिवसीय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रहे। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और पिछले साल पेरिस में रजत पदक जीतने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 84.35 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे वह जर्मनी के जूलियन वेबर (91.37 मीटर) और त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (84.95 मीटर) के बाद तीसरे स्थान पर रहे।

वालकोट और चोपड़ा दोनों ने 79.91 मीटर और 82.00 मीटर के थ्रो फेंके, वेबर 91.51 मीटर के थ्रो के साथ आगे बढ़े जिसने लगभग उनके लिए पहला स्थान तय कर दिया। उन्होंने और चोपड़ा दोनों ने अपने तीसरे प्रयास में फाउल किया, जबकि भारतीय के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने अपने अगले प्रयास में भी फाउल किया। वेबर (83.66 मीटर) और वाल्कोट (81.78 मीटर) ने ऐसे थ्रो फेंके जिनका समग्र परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा।

चोपड़ा ने अपने पांचवें प्रयास में भी फाउल किया जबकि वाल्कॉट ने 77.00 मीटर का औसत थ्रो किया और वेबर ने 86.45 मीटर के साथ प्रतियोगिता का तीसरा सर्वश्रेष्ठ

थ्रो किया। उन्होंने अंतिम प्रयास में छठे और अंतिम थ्रो के साथ वाल्कॉट को पीछे छोड़ दिया। चोपड़ा ने जून में पेरिस में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करके डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने मई में दोहा में 90.25 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड थ्रो किया था, जो 90 मीटर के निशान से आगे उनका पहला प्रयास था, और ज्यूरिख में फिर से 90 मीटर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद कर रहे थे।

# ऑल अबाउट हर में होंगी मजेदार और जरूरी बातें

अभिनेत्री सोहा अली खान ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर शुरू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में हम एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आए हैं, जो अब तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है। बातचीत में सोहा ने कहा, मैं मानती हूं कि आजकल पॉडकास्ट्स की संख्या बहुत बढ़ गई है और लोगों की दिलचस्पी भी इसमें बढ़ रही है। लेकिन जब मैंने रिसर्च की तो देखा कि न्यूज, फिक्शनल थ्रिलर्स, वेलनेस और पैरेंटिंग जैसे विषयों पर कई पॉडकास्ट हैं, मगर महिलाओं की वेलनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी गैप को भरने की कोशिश कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सेलेब्रिटी होता है या कोई एक्सपर्ट। लेकिन उनके पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है। इसमें न केवल सेलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे। सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सेलेब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता है। लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, तो बातचीत भी मजेदार होती है और सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं। यही इस पॉडकास्ट की खासियत है। उम्मीद है कि यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक बनाएगा और उपयोगी जानकारी मुहैया कराने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, और सनी लियोन जैसे कई पॉपुलर चेहरे नजर आएंगे। साथ ही, किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु, और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी। अभिनेत्री का पॉडकास्ट ऑल अबाउट यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है।

# काम हीरो जितना लेकिन पैसा दसवां हिस्सा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों कई फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई के खिलाफ आवाज उठाते हुए नजर आ रही हैं। प्रियंका फिल्म जगत में असमान वेतन और पुरुष प्रधान कल्चर पर बात कर रही हैं।

### तेलुगु फिल्म में आएंगी नजर

प्रियंका चोपड़ा ने अपने अभिनय की शुरुआत भारतीय सिनेमा से की और समय के साथ न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी खास जगह बनाई। वह अब जल्द ही तेलुगु सिनेमा में भी कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में वो साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

वायरल वीडियो में प्रियंका साफ कहती हैं कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सब कुछ पुरुष केंद्रित है। उनकी मानें तो सेट पर मेहनत दोनों ही कलाकार करते हैं, परंतु भुगतान में भारी असमानता है। उन्होंने कहा कि अक्सर हीरो तय करता है कि शूटिंग कब शुरू होगी और सबको उसका इंतजार करना पड़ता है, जबकि अभिनेत्रियों की राय या समय का कोई महत्व नहीं दिया जाता। प्रियंका के मुताबिक, उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में ऐसे हालात देखे जब किसी फिल्म में नायक को दी गई फीस का दसवां हिस्सा भी उन्हें नहीं मिला। कई बार जब उन्होंने बराबरी की बात उठाई, तो उन्हें ज्यादा मांग करने वाली या घमंडी करार दिया गया और मौके भी छीन लिए गए।

### फिर से शुरू हुई बहस

प्रियंका के इस वीडियो से पहले भी कई बार ये मुद्दा उठ चुका है। इससे पहले भी दीपिका पादुकोण और विद्या बालन जैसी अभिनेत्रियां वेतन असमानता पर अपनी राय रख चुकी हैं। हालांकि बावजूद इसके कोई ज्यादा फर्क नजर नहीं आता है। उदाहरण के तौर पर नितेश तिवारी की रामायण में मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जहां रणबीर कपूर राम बनने के लिए 75 करोड़ रुपये एक पार्ट के लिए चार्ज कर रहे हैं वहीं कोइमोई की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी को 18-20 करोड़ रुपये मिल रहे हैं।

### हॉलीवुड में मिला समान सम्मान

दिलचस्प बात यह है कि वीडियो में प्रियंका सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड का भी जिक्र करती हैं। उन्होंने कहा कि विदेश में उन्हें हीरो के बराबर मेहनताना दिया गया और वहां महिला कलाकारों को वो सम्मान मिला जिसकी कमी बॉलीवुड में अब भी है। यह अनुभव उनके लिए बेहद संतोषजनक रहा।

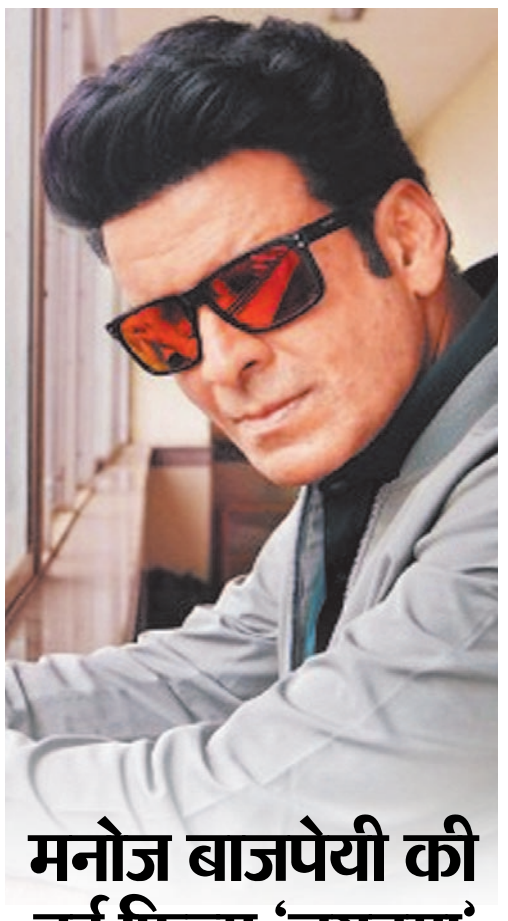

# नो एंट्री का बिपाशा बसु वाला रोल लारा दत्ता को हुआ था ऑफर

साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'नो एंट्री' ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसे आज भी लोग देखना पसंद करते हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म को रिलीज हुए 20 साल हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म की एक्ट्रेस लारा दत्ता ने खुलासा किया है कि बिपाशा वाले रोल के लिए उन्हें सेलेक्ट किया गया था। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर लिखा, नो एंट्री के 20 साल पूरे हो गए। यह फिल्म हमेशा मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक रहेगी। कॉमेडी में मेरा पहला कदम, मुझे वह रोल मिला था, जो बाद में बिपाशा ने निभाया था। मुझे याद है कि मैंने अनीस बज्मी से कहा था कि काजल का किरदार मेरे अब तक के सबसे अलग किरदारों में से एक है और मुझे एक बेहद शक्की, बड़बोली, पंजाबी पत्नी का किरदार निभाने के लिए खुद को कड़ी चुनौती देनी होगी। हैरानी की बात है कि मैंने उस किरदार को पूरी तरह से अपनाया और उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया।

# बेबी के किरदार की वजह से मिला तेहरान में मौका

**मधुरिमा तुली की तेहरान हाल ही में जी5 पर रिलीज हुई है। इसमें उनके साथ जॉन अब्राहम भी हैं। मधुरिमा ने खास बातचीत की।**

### फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं?

पिछले कुछ समय से मैं लगातार म्यूजिक वीडियो कर रही थी और साथ ही कई लुक टेस्ट भी दे रही थी, लेकिन कहीं बात बन नहीं पा रही थी। तभी मेरी मैनेजर ने मेरे कुछ फोटो इस फिल्म के लिए भेजे। मेकर्स ने जब उन्हें देखा तो मुझे इस किरदार के लिए चुन लिया। बाद में जब मेरी मुलाकात टीम से हुई तो मुझे स्क्रिप्ट और मेरा किरदार दोनों ही बेहद पसंद आए। उन्होंने बताया कि मेरी पिछली फिल्म बेबी में निभाए गए किरदार को देखकर ही मुझे चुना गया था, क्योंकि उन्हें वैसी ही एक लड़की अपने प्रोजेक्ट के लिए चाहिए थी।

### जॉन संग बॉन्डिंग कैसी रही?

मेरी और जॉन की बॉन्डिंग काफी जबरदस्त रही। हमने साथ में कई संजीदा सीन्स किए और उनके लिए डायरेक्टर्स के साथ कई बार रीडिंग सेशन भी हुए। अक्सर हम बैठकर सोचते थे कि किसी सीन को किस तरह और बेहतर तरीके से परफॉर्म किया जा सकता है। इस दौरान हमारा कोऑर्डिनेशन बहुत अच्छा बना, जिसकी वजह से ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी और निखर कर सामने आई। वहीं अगर स्क्रिप्ट की बात करूं तो यह वाकई बहुत खूबसूरती से लिखी गई है। इसमें कई कठिन भाव ऐसे हैं जिन्हें बेहद कम शब्दों में बड़े सहज और असरदार तरीके से बयां किया गया है।

# निर्देशक विष्णुवर्धन की अगली फिल्म में दिखाई देंगे कार्तिक



अभिनेता कार्तिक आर्यन को पिछली बार फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। आने वाले समय में कार्तिक एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे और अब उनके खाते से एक और बड़ी फिल्म जुड़ गई है। कार्तिक ने अपनी अगली फिल्म के लिए पहली बार निर्देशक विष्णुवर्धन से हाथ मिलाया है, जिन्हें सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की फिल्म शेरशाह के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विष्णुवर्धन एक जॉम्बी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसके हीरो कार्तिक होंगे। निर्माताओं की तरफ से फिल्म की हरी झंडी मिल गई है। कार्तिक ने भी फिल्म के लिए हामी भर दी है, लेकिन कागजी कार्रवाई अभी बाकी है। फिल्म की कहानी लिखी जा चुकी है और जुलाई 2026 में इसकी शूटिंग शुरू होगी।

# मनोज बाजपेयी की नई फिल्म 'जुगनुमा' की हुई घोषणा

ओटीटी के किंग कहे जाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी आने वाले वक्त में अलग-अलग जॉनर के कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। आज ही उनकी नई फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। अब मनोज बाजपेयी के एक और प्रोजेक्ट की जानकारी सामने आई है। उनकी इस फिल्म का नाम है 'जुगनुमा'। आज फिल्म का पोस्टर और इसकी रिलीज डेट सामने आई है।

### कुछ ऐसी होगी फिल्म की कहानी

'जुगनुमा' एक जादुई फिक्शनल ड्रामा है। इस फिल्म की कहानी 80 के दशक के आखिरी में आधारित है। फिल्म के केंद्र में है देव, जिसे मनोज बाजपेयी ने निभाया है। देव हिमालय में स्थिति अपने फलों के बागों में रहस्यमय तरीके से जले हुए पेड़ों की खोज करता है। तमाम कोशिशों के बावजूद और भी आग लग जाती है, जिससे उसे खुद को और अपने परिवार को उनके असली रूप में देखने का मौका मिलता है। कहानी काफी रोचक मालूम पड़ती है। फिल्म 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

### फिल्म से जुड़े हैं अनुराग कश्यप

'जुगनुमा' का निर्देशन राम रेड्डी ने किया है। यह उनकी दूसरी फिल्म है। उन्होंने इससे पहले साल 2016 में आई नेशनल अवॉर्ड विनिंग कन्नड़ फिल्म 'तिथि' का निर्देशन किया था। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, हिरल सिद्धू, तिलोत्तमा शोम सरीखे कलाकार भी नजर आएंगे। निर्माता गुनीत मोंगा कपूर और अनुराग कश्यप इस फिल्म से बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं।

### 'द फैमिली मैन' के नए सीजन का इंतजार कर रहे फैंस

मनोज बाजपेयी के वर्कफ्रंट की बात करें तो इसके अलावा वो नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' में नजर आएंगे, जो 5 सितंबर को रिलीज हो रही है। इसके अलावा दर्शक उनकी लोकप्रिय वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'द फैमिली मैन' के नए सीजन के इस साल की अंत तक आने की उम्मीद है।

# इंडस्ट्री ने काम देना बंद कर दिया था हम रेसिस्ट हैं, बदलने में वक्त लगेगा

**अपने अभिनय के लिए नैशनल अवॉर्ड की हकदार रही पल्लवी जोशी के करियर में एक दौर ऐसा भी आया, जब उनके पास काम नहीं था। कश्मीर फाइल्स के बाद वे चर्चा में हैं द बंगाल फाइल्स से।**

**आप फिल्म और टीवी दोनों का हिस्सा रहीं हैं, मगर लंबे अरसे से आपने अभिनेत्री के रूप में खुद को डायरेक्टर पति विवेक अग्निहोत्री की फिल्मों तक सीमित कर लिया है?**

मैं तो विवेक की बहुत शुक्रगुज़ार हूं कि वो मेरे लिए किरदार लिख रहे हैं। कम से कम मैं उनकी फिल्मों में तो काम कर पा रही हूं, क्योंकि बाहर की फिल्मों में तो मुझे काम मिलना बंद हो गया था। ये हुआ 2004-5 से। मेरी दो सहेलियां हैं, रेणुका (शहाणे) और मृणाल जिन्होंने मुझे कास्ट किया। अन्यथा मुझे तो कोई ऑफर्स ही नहीं आ रहे थे। मुझे टीवी के वही डेली सोप के प्रस्ताव आ रहे थे, जो मैं करना नहीं चाहती थी। उसमें कोई किरदार नहीं होता, आप किसी की मां या सास होते हैं और वो चरित्र कभी भी पलटी मार सकता है। मेरे लिए रोल की शुरुआत और एंडिंग जानना जरूरी होता है। मैं अभिनय नहीं कर रही थी तो मैंने अपना प्रोडक्शन शुरू किया। मैंने दो हजार के दशक में दो मराठी फ़िल्में बनाई थीं। फिर हमने अपना होम प्रोडक्शन शुरू किया।

**आप जैसी समर्थ अदाकारा के लिए रोल्स की कमी क्यों कर हुई?**

मुझे कोई आइडिया नहीं है। हां बीच में दो हजार के दशक में मेरी समकालीन अभिनेत्रियां घर बैठ गई थीं। ये चलन हो गया था कि अरे इनको बहुत देख लिया है, नए चेहरों को लो। मेरे साथ की कई अभिनेत्रियों को नुकसान पहुंचा था। नीना गुप्ता को छोड़ दिया जाए, और उन्होंने भी ट्विटर पर डाल दिया था कि उन्हें काम नहीं मिल रहा, तो उसके बाद उन्हें काम मिलने लगा। वरना वे कितने सालों तक घर पर बैठी थीं। ये दुखद है, मगर जो अच्छे एक्टर्स होते हैं, वे अच्छे कैरेक्टर भी तो चाहते हैं।

**इंडस्ट्री में अनकन्वेंशनल रूप-रंग के कारण आपको रिजेक्शन का शिकार होना पड़ा था?**

बहुत पहले हुआ था। विवेक मुझे किसी टीवी प्रॉजेक्ट के लिए कास्ट कर रहे थे, तो एक सीनियर पर्सन ने कहा, पल्लवी जोशी को कास्ट मत करो, वो काली है। तब विवेक ने हंस कर कहा था, मेकअप भी कोई चीज होती है। मगर ये तो होता ही है। हमारे यहां जब बच्चा पैदा होता है, तो पूछा जाता है, गोरा है या काला है? हमें आज भी गोरी चमड़ी का ऑब्सेशन है। लड़का है या लड़की है? यह भी पूछा जाता है, तो हम रेसिस्ट भी हैं और सेक्सिस्ट भी। समस्या हमारे अंदर है, तो जब तक उसमें सुधार नहीं होगा, कुछ नहीं बदलेगा।

**आपके निर्देशक पति विवेक अग्निहोत्री का कहना है कि द बंगाल फाइल्स एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगी?**

देखिए, ये सच तो है, मगर उसे कहने का मेरा तरीका विवेक से हट कर है। मैं कहती हूं कि किसी एक फैक्ट को नहीं छुपाया गया कि इससे देश का सोशल फैब्रिक खराब होगा, हमने देखा कि जो-जो हमने सहा, वो सब कुछ दबा कर रख दिया गया। कहने का अर्थ ये है कि जो पूरा सच छुपाया गया, वो एक एजेंडा था। भारतीय नागरिक होने के नाते इस एजेंडे को बेनकाब करना मेरा कर्तव्य है। मैं फिल्म में मां भारती का किरदार कर रही हूं। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म में सारे किरदार वास्तविक हैं, सिर्फ मेरा किरदार काल्पनिक है, तो इसे करना चुनौतीपूर्ण रहा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक इरशान सईद द्वारा ए-352, न्यू अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित एवं साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी 85 सेक्टर 6, नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। संपादक सईद अहमद
RNI No. DELHIN/2014/56101 संपर्क सूत्र +91 8587018587, Email: webvarta@gmail.com, समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।